हरिद्वार में पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के... 11

वर्ष - 02, अंक - 172 | गाजियाबाद / गुरूवार 24 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त- समाचार

यूसुफ पठान को एनसीपीआई में मिली बड़ी जिम्मेदारी

टीएमसी के बागी सांसद को पार्टी ने बनाया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

कोलकाता (एजेंसी)। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया ने अपने नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की। पार्टी ने 27 नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां दी हैं। इनमें तृणमूल कांग्रेस छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए पूर्व सांसद भी शामिल हैं। पूर्व क्रिकेटर और बहारामपुर के पूर्व टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को एनसीपीआई का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश चटर्जी की ओर से जारी सूची में यूसुफ पठान का नाम उपाध्यक्ष पद के लिए शामिल है। पठान के अलावा पूर्व टीएमसी सांसद अबू ताहिर खान, दीपक अधिकारी देव, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, रचना बनर्जी और मिताली बाग को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। बापी हलदर को महासचिव की जिम्मेदारी मिली है। नई राष्ट्रीय टीम में चंद्रिमा पंजा को भी उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उत्तिया कुंडू, सुलेखा भुनिया, विवेक मिश्रा और शुवेंदु चक्रवर्ती को महासचिव बनाया गया है। अविषेक मुखर्जी, कल्लोल चक्रवर्ती, बप्पा सरदार, प्रबीर महता, मृत्युंजय सिन्हा, पल्लव मुखर्जी, दिब्येंदु दास, बिप्लब देब, प्रदीप धर, सुष्मिता भुनिया, स्वाति गोस्वामी बोस और मोनालिसा खातून को सचिव बनाया गया है। स्वरूप जायसवाल और सुदाम जेटी को क्रमश: कोषाध्यक्ष और संयुक्त कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

8 यूडीपी विधायक भाजपा में शामिल

मेघालय में बीजेपी विधायक 2 से बढ़कर 10 हुए, दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय की यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के 8 विधायक बुधवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी हेडक्वार्टर में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। राज्य में पहले भाजपा के 2 विधायक थे। यूडीपी के 8 विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी के विधायकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इसके

साथ ही भाजपा विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। राज्य में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार है। इसमें तीनों पार्टियां शामिल हैं। वहीं, यूडीपी के विधायकों की संख्या 12 से घटकर 4 रह गई है। बीजेपी में शामिल होने वाले विधायकों में लहकमन रिंबुई, पियस मारवीन, किर्मेन शायला, मायरेलबार्न सिएम, मैथ्यू कुर्बाह, ओलान सिंह सुइन, बालाजिएड कुफर सिनरेम और सिनशर कुफर रॉय शामिल हैं। किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर और मेघालय में हो रही प्रगति को देखते हुए पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है।

टूथपेस्ट, साबुन और शैंपू पर लाल-हरा निशान लगाना जरूरी

- देखकर पता चलेगा प्रोडक्ट शाकाहारी है या नहीं, नियम का उल्लंघन करने पर एक साल की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने टूथपेस्ट, साबुन, शैंपू, कॉस्मेटिक्स और अन्य टॉयलेटरीज के पैकेट पर हरा या लाल/भूरा बिंदु लगाना अनिवार्य कर दिया है। शाकाहारी सामग्री

वाले प्रोडक्ट पर हरा, जबकि मांसाहारी सामग्री वाले प्रोडक्ट पर लाल या भूरा डॉट लगाना होगा। यह निशान पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल के ऊपरी हिस्से में लगाया जाएगा। सरकार ने लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 में संशोधन कर यह प्रावधान लागू किया है। 21 सितंबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नियम प्रभावी हो गए। नारियल, जैतून, एलोवेरा, शीया बटर जैसी सामग्री पौधों से मिलती है। लैनोलिन भेड़ की ऊन से और कोलेजन-जिलेटिन पशुओं से मिलते हैं। ग्लिसरीन, स्टीयरिक एसिड और फैटी एसिड पौधों और पशु वसा, दोनों से बनते हैं। नाम मूल प्रकृति नहीं बताता। ऐसे में, हरा-लाल बिंदु स्पष्ट बताएगा। 60 मिली तक तरल व 30 ग्राम तक ठोस पैक पर घटक नहीं होते। वहां भी बिंदु काम आएगा। यदि किसी मांसाहारी उत्पाद पर हरा निशान या शाकाहारी पर लाल निशान लगा है, तो यह नियमों का उल्लंघन है। इसके लिए आप कई तरीकों से शिकायत कर सकते हैं।

बड़ा बदलाव! ट्रेनों के खाने में अब नहीं मिलेगी गंदगी

चूहे-कॉकरोच दिखे तो एआई कैमरे भेजेंगे सीधा अलर्ट

मार्च 2027 तक 50 ट्रेनों में लागू होगी निगरानी व्यवस्था

समस्तीपुर (एजेंसी)। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस और बागमती एक्सप्रेस समेत समस्तीपुर होकर चलने वाली प्रमुख ट्रेनों की पैंट्री कार में अब एआई आधारित कैमरों से निगरानी की जाएगी।

पैंट्री कार में चूहा, कॉकरोच या गंदगी दिखते ही सिस्टम संबंधित अधिकारियों को अलर्ट करेगा। खाना बनाने से लेकर पैकिंग और यात्रियों तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया पर भी निगरानी रखी जाएगी। पूर्व मध्य रेल के 5 मंडलों के अंतर्गत करीब 50 प्रमुख ट्रेनों की

पैंट्री कारों और समस्तीपुर जंक्शन समेत 25 स्टेशनों की कैंटीन में यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी है।

रेलवे का लक्ष्य मार्च 2027 तक इसे लागू करने का है। समस्तीपुर होकर चलने वाली लंबी दूरी की कई महत्वपूर्ण ट्रेनों में पैंट्री की सुविधा उपलब्ध है।

किचन में कैमरों से लगातार निगरानी

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत पैंट्री कार और बेस किचन में कैमरों से लगातार निगरानी की जाएगी। कैमरे की नजर में चूहा, कॉकरोच अथवा गंदगी आने पर सिस्टम अलर्ट जारी करेगा। इसकी सूचना संबंधित अधिकारी और खान-पान सेवा से जुड़ी एजेंसी तक पहुंचाने की व्यवस्था होगी। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित वेंडर या एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। सिर्फ कीड़े-मकौड़ों ही नहीं, बल्कि पैंट्री कर्मचारियों की स्वच्छता पर भी एआई कैमरों से निगरानी की जाएगी।

बीजेपी ने किया बड़ा संगठनात्मक बदलाव

- राज्य प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नई नियुक्तियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने बुधवार को सभी राज्यों में अपने नए प्रभारियों और सह प्रभारियों का ऐलान किया। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से जारी लिस्ट के मुताबिक, स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड की जिम्मेदारी दी गई है। इस लिस्ट में उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के प्रभारियों के भी नाम है। इन तीनों राज्यों के प्रभारियों की नियुक्ति 18 अगस्त को ही कर दी गई थी।

लद्दाख में नेपाल जैसी 'बाढ़' का खतरा

- ग्लेशियर झील से हो रहा है रिसाव, तेजी से भी बढ़ी

अगर दबाव बढ़ा तो झील को तोड़कर निकालेंगे पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख के सबसे बड़े द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर के मुहाने पर बनी झील से पानी का रिसाव शुरू हो गया है। बीते कुछ साल में झील तेजी से बढ़ी है। ऐसे में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक जांस्कर में ग्लेशियर के पास ही कैंप कर इस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। वैज्ञानिक झील में पानी की

मात्रा, गहराई और ग्लेशियर के पिघलने की रफ्तार की रियल टाइम निगरानी कर रहे हैं। पानी बढ़ने से झील पर दबाव खतरनाक स्तर तक पहुंचा तो इसे सुरक्षित तरीके से तोड़कर अतिरिक्त पानी निकालने की भी तैयारी है।

लद्दाख और द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर पर असर

लद्दाख का द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहा है, जिससे इसके मुहाने पर पानी जमा होकर एक बड़ी अस्थिर झील बन गई है। यह झील कमजोर पत्थरों और मलबे के सहारे टिकी है, जिससे इसके टूटने का डर लगातार बना रहता है। इसके अलावा पिघलती बर्फ से स्थानीय नदी तंत्र और जीव-जंतुओं के प्राकृतिक संतुलन पर भी बुरा असर पड़ रहा है। लद्दाख जैसे ठंडे रेगिस्तान में लोगों की जिंदगी पूरी तरह ग्लेशियर के पिघलने वाले पानी पर निर्भर है। अभी तो बर्फ तेजी से पिघलने की वजह से नदियों में पानी ज्यादा दिख सकता है, लेकिन कुछ सालों बाद गंभीर सूखा पड़ सकता है।

ईशान बनाए गए बीएसपी के नए राष्ट्रीय संयोजक

- मायावती का बड़ा ऐलान, दो नेताओं से सीखने को कहा

लखनऊ (एजेंसी)। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने ईशान आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। ईशान आनंद को बीएसपी ने राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। हालांकि ईशान अभी राज्यों में नहीं पार्टी का कामकाज ही देखेंगे। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता राजाराम और रामजी गौतम से ईशान पार्टी का कामकाज सिखेंगे। इसके लिए मायावती ने वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी है। यूपी में 2027 चुनाव को लेकर बसपा की अहम बैठक आज लखनऊ में आयोजित की गई।

रफ्तार से गुजर रही गाड़ियों पर पहाड़ों से बरस रहे पत्थर

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर नहीं थम रही पत्थरबाजी की घटना

झाबुआ (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश से होकर गुजरता है। मध्य प्रदेश के हिस्से में लगातार पत्थरबाजी की खबरें आ रही हैं। बीते दिनों रतलाम में वाहनों के ऊपर जबरदस्त पत्थरबाजी हुई थी। इसमें कई वाहनों को नुकसान पहुंचा था। साथ ही कई लोग घायल भी हुए थे। प्रशासन की सख्ती के बावजूद इस पर लगाम नहीं लग रहा है।

दरअसल, यह एक्सप्रेसवे रतलाम जिले से भी होकर गुजरती है। रतलाम वाले हिस्से का एक वीडियो सामने आए हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से गाड़ियों 100 किमी से अधिक की स्पीड से गुजरती हैं। ऐसे में आम लोगों और बाइक सवार इस हाईवे पर प्रतिबंधित हैं।

झाबुआ में भी पत्थरबाजी, पुलिस असफल

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे झाबुआ के थांदला से भी गुजरती है। यहां भी पत्थरबाजी हो रही है। थांदला के वीडियो में भी दिख रहा है कि लोग पहाडों पर खड़े हैं और गाड़ियों पर पत्थर मार रहे हैं। ऐसे में वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस लाख कोशिशों के बावजूद पत्थरबाजों पर नकेल नहीं कस पा रही है। मध्य प्रदेश में झाबुआऔर रतलाम से होकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे गुजरता है। यह दूरी करीब 80 किमी है।

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस में प्रोफेसर डूला को छुट्टी पर भेजा

जांच के लिए 10 सदस्यीय कमेटी बनाई, साहिल के पिता बोले-आरोपियों की गिरफ्तारी हो

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे ने छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को छुट्टी पर भेजा है। उन पर साहिल को उकसाने और जातिगत भेदभाव का आरोप है। 21 सितंबर को डूला को डीन ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स के पद से हटाया था। संस्थान ने जांच के लिए 10 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी बनाई है। कमेटी मौत से पहले की परिस्थितियों और आरोपों की जांच करेगी। इसकी अध्यक्षता आईआईटी पलक्कड़ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. रमेश वेंकटेश्वरन करेंगे।

अखिलेश यादव को डर, 2027 के बाद नहीं होंगे आम चुनाव

- अगर भाजपा जीती तो वोटिंग का हक छिन जाएगा, चुनाव आयोग खुद एक्सपोज हुआ

लखनऊ (एजेंसी)। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दावा किया कि देश में लोकतंत्र को मिटाने का बड़ा षड्यंत्र रचा जा रहा है। अगर इस बार भाजपा को नहीं रोका गया, तो यह आपका आखिरी चुनाव साबित होगा। इसके बाद आपसे वोट डालने का अधिकार भी छीन लिया जाएगा। यानी 2027 के बाद शायद चुनाव ही न हो। लखनऊ में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश चुनाव आयोग पर बड़े आरोप लगाए। उन्होंने कहा- 10 महीने में चुनाव आयोग के दो निर्वाचन आयुक्तों ने गलत फैसलों पर 14 आपत्तियां दर्ज कराईं। लेकिन, कुछ नहीं हुआ।

- **'फर्जी दस्तखत से 100-100 वोट काटे गए, चुनाव लूटा गया-** सपा प्रमुख ने चुनावी फर्जीवाड़े पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर में एक ऐसे व्यक्ति के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर 100 लोगों के वोट कटवाने की अर्जी दी गई, जो खुद दस्तखत करना भी नहीं जानता था। नियम के मुताबिक एक बार में 5 से ज्यादा वोट नहीं कटवाए जा सकते, लेकिन दशरथ नाम के फर्जी दस्तखत से 100-100 वोट काटे जा रहे थे। अखिलेश ने कहा- प्रभु श्रीराम और अयोध्या के विकास में कोई भी रोड़ा नहीं बन सकता। सपा सरकार यह तय करेगी।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर बंट गए 'सुप्रीम' जज

एक जज केस पांच जजों की बेंच को भेजने के पक्ष में

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून पर बुधवार

को बंटा हुआ फैसला दिया है। दो जजों की बेंच को यह फैसला लेना था कि केस पांच जजों की बेंच को भेजा जाए या नहीं। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने मामले को बड़ी बेंच को भेजने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। वहीं जस्टिस एससी शर्मा ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। दोनों जजों ने केस सीजेआई सूर्यकांत के सामने रखने के निर्देश दिए। साथ ही सीजेआई से अनुरोध किया कि वे कि केस की सुनवाई के लिए पांच जजों की स्थायी बेंच बनाने की संभावना पर विचार करें। जस्टिस शर्मा ने कहा कि जब पिछला फैसला आया तो वह एक वैक्यूम को भरने के लिए था। चयन को लेकर कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। तब कोर्ट ने प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और चीफ जस्टिस की कमेटी की बात कही। अब स्थिति अलग है। संसद कानून बना चुकी है।

आजमगढ़ में पत्नी-बेटे को मारने वाले का एनकाउंटर

- दो पुजारियों की भी की थी हत्या, पूजा कराने से नाराज था
- गोद से गिरी 7 महीने की बच्ची ने भी अस्पताल तोड़ा दम

आजमगढ़ (एजेंसी)। यूपी के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या करने वाला आरोपी एनकाउंटर में मारा गया। पकड़े जाने के डर से उसने अपने 3 बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। 7 घंटे बाद उसने बेटे पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने हत्यारे अरविंद सिंह (42) को मार गिराया। बंधक बनाने के दौरान ही 7 महीने की बच्ची गोद से गिर गई थी। बुधवार दोपहर को इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। अरविंद के परिवार में अब मां कमला देवी (70), बेटी परी (5) बची है। घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर अहिरौला थाना क्षेत्र

अरविंद सिंह हत्यारा

की है। पुलिस के मुताबिक, परिवार को शक था कि अरविंद को उसके भाई सुनील की आत्मा परेशान कर रही है। इसलिए पत्नी-मां महामृत्युंजय जाप करा रही थीं। इससे अरविंद नाराज था। मंगलवार शाम 6 बजे इसी बात को लेकर पत्नी से बहस हुई। कहा- तेरे चक्कर में मेरे भाई की हत्या हो गई। अब तू यहां ड्रामा कर रही है। इसके बाद उसने पुजारियों से आधार कार्ड मांगा और उनसे कहासुनी करने लगा। इसी बीच, गुस्से में कमरे से लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर आया और पत्नी और दो पुजारियों को गोली मार दी, फिर तीनों बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। सूचना मिलने पर 10 थानों की फोर्स पहुंची तो अरविंद बच्चों को मारने की धमकी देने लगा। मामला बिगड़ता देखकर 45 जवानों को बुलाया गया। टीम उसे सरेंडर करने के लिए समझाती रही। रात 1 बजे उसने बच्चे पर गोली चला दी। टीम ने स्मोक ग्रेनेड और टियर गैस भी छोड़ी।

भाई की 8 साल पहले हत्या हुई थी, बालासाहेब ठाकरे के गनर थे

शंभूपुर गहजी गांव का रहने वाला अरविंद कोई काम नहीं करता था। परिवार में पत्नी बबीता, मां कमला देवी (70), बेटी परी (5), बेटा शौर्य और 7 महीने की बेटी हैं। 8 साल पहले उसके भाई सुनील की चचेरे भाइयों मनीष-अविनाश ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दरअसल, अरविंद की पत्नी बबीता का मनीष के साथ अफेयर था। इसका पता चलने पर सुनील ने मनीष के खिलाफ चोरी-छेड़खानी की शिकायत की थी। सुनील बालासाहेब ठाकरे के गनर थे।

दिल्ली में जुटे देशभर के उलेमा, मस्जिद गिराने और धार्मिक आजादी के मुद्दे पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की मौजूदा स्थिति, मस्जिद गिराने, संविधान के उल्लंघन और धार्मिक स्वतंत्रता पर मंडराते खतरों को देखते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक आपात बैठक बुलाई है। बुधवार को दिल्ली में जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में बैठक हो रही है, देश के तमाम मौलाना और जमीयत से जुड़े हुए लोग शिरकत कर रहे हैं। बैठक के मुख्य एजेंडे में प्रशासन और न्यायपालिका के कुछ हालिया फैसलों और कदमों के संदर्भ में शरीयत के मामलों में बढ़ते हस्तक्षेप का मुद्दा प्रमुखता से शामिल है। इसके साथ ही देश में धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण, मस्जिदों के विध्वंस और इस्लामी मदरसों के सामने उत्पन्न चुनौतियों की समीक्षा की जाएगी। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने साफ किया है कि संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, धार्मिक स्वतंत्रता और सभी नागरिकों के समान अधिकारों का संरक्षण ही देश की एकता और अखंडता की मूल बुनियाद है। संगठन के मुताबिक वर्तमान परिस्थितियां बहुत ही चिंताजनक हैं और इन पर गंभीर मंथन करना जरुरी है। कार्यकारिणी की इस बैठक में इन तमाम मुद्दों पर सामूहिक रूप से विचार-विमर्श के बाद आगे की रणनीति और ठोस कार्ययोजना के संबंध में बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

मणिपुर में 2.1 किलोग्राम 'याबा' टैबलेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों के एक संयुक्त अभियान में मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले से 2.1 किलोग्राम कृत्रिम मादक पदार्थ 'याबा' जब्त करने के साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक संयुक्त टीम ने मंगलवार को मंत्रीपुखरी में बस के एक यात्री को रोका और 20,000 'याबा' गोलियां जब्त कीं जिनका कुल वजन करीब 2.1 किलोग्राम है। अधिकारी ने बताया कि थाई में 'याबा' का अर्थ 'उन्मादी प्रदान करने वाली दवा है। इसमें कैफीन और मेथामफेटामीन होता है, जो 'नियंत्रित पदार्थ अधिनियम' के तहत 'अनुसूची दो' का पदार्थ है। एक अन्य अभियान में राज्य पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने काकचिंग जिले के वाइखोंग पुलिस थाने के अंतर्गत लमजाओ मयाई लीकाई इलाके से प्रतिबंधित 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी' के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा है। अधिकारी ने बताया कि उसकी पहचान मैबम गुनामणि के तौर पर हुई है।

17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज सहमा

-कॉलेज की प्रिंसिपल ने आनलाइन क्लासेस कीं शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय एक नाबालिग किशोरी के साथ हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की खौफनाक घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध किया है। इस दरिंदगी ने फिर महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। दिल दहला देने वाली घटना के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन (एलएसआर) ने अपनी नियमित कक्षाएं रद्द की और बुधवार की सभी शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड पर स्थानांतरित कर दिया। उल्लेखनीय है कि लेडी श्रीराम कॉलेज घटना स्थल से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कॉलेज की प्रिंसिपल कनिका के. आहूजा ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिलने के बाद ही उन्होंने कक्षाएं रद्द करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनके छात्रों की सुरक्षा और भलाई उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। प्रिंसिपल ने अपने फैकल्टी मेंटर्स और कॉलेज काउंसलर को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह की जरूरत पड़ने पर छात्रों की मदद के लिए उपलब्ध रहें।

चक्रवात अर्नब का पूर्वी तट पर भीषण खतरा : आंध्र, ओडिशा में हाई अलर्ट, स्कूल बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव अब शक्तिशाली चक्रवाती तूफान अर्नब में बदल गया है, जो भारत के पूर्वी तटीय इलाकों की ओर तेजी से आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि चक्रवात अर्नब के 23 सितंबर की शाम 5 बजे से 24 सितंबर की सुबह 5 बजे के बीच तट से टकराने की प्रबल आशंका है। संभावना है कि यह 23 सितंबर की आधी रात से पहले विशाखापत्तनम और गोपालपुर के बीच उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तट को पार करेगा। इस भीषण खतरे को देखकर ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है और राष्ट्रीय व राज्य आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ/एसडीआरएफ) की टीमें तटीय क्षेत्रों में तैनात कर दी गई हैं। चक्रवात का असर केवल ओडिशा-आंध्र तट तक सीमित नहीं रहेगा। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के तटीय ज़िलों में भी भारी बारिश और तेज़ हवाओं का अलर्ट जारी किया है, जहां 25 सितंबर तक खराब मौसम की चेतावनी दी गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। बिहार में भी 23 से 28 सितंबर के बीच मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है, जिसमें कई इलाकों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चलेंगी।

हरिद्वार में पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम का शुभारंभ, धामी बोले- ज्ञान के साथ संस्कार और आधुनिक विज्ञान के साथ भारतीय मूल्य जरूरी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पतंजलि वेलनेस योगग्राम, ग्राम औरंगाबाद, हरिद्वार में प्रथम पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का शुभारंभ किया। उन्होंने गुरुकुलम् के उद्घाटन पर योगगुरु स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रमुख केंद्र है और यहां आयुर्वेद गुरुकुलम् की शुरूआत भारत की गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक युग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।
धामी ने कहा कि भारत की गुरुकुल परंपरा हजारों वर्षों से ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण का आधार रही है। विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें जीवन जीने की कला और समाज

के प्रति उत्तरदायित्व का बोध भी कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक के साथ योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का समन्वय नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा।
मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में गुरुकुल शिक्षा की प्रासंगिकता और बढ़ी है। उन्होंने स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के योग, आयुर्वेद, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कौशल, नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उत्तराखंड भी इसके प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। धामी ने बताया कि देहरादून में देश की पांचवीं विज्ञान नगरी विकसित की जा रही है तथा विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को पर्यटन के साथ ज्ञान, योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास जारी हैं। इस दौरान आचार्य बालकृष्ण, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, विधायक रवि बहादुर, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एसआईआर पर खुलासे से बवाल, प्रशांत भूषण बोले- ज्ञानेश कुमार को हटाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दावा किया गया है कि चुनाव आयोग के भीतर ही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग के तीन सदस्यों के पैनल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी शामिल हैं। इनमें से दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों के दौरान कम से कम चौदह बार इस प्रक्रिया और नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम हटाने तथा बहाल करने जैसे महत्वपूर्ण मसलों पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस आंतरिक असहमति के सार्वजनिक होने के बाद से ही विपक्षी दलों के साथ-साथ कानूनी हलकों में भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस खुलासे के बाद वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने सोशल मीडिया के माध्यम से तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य सदस्यों के विरोध के बावजूद मनमाने और गैर-कानूनी तरीके से निर्देश जारी किए, जिसके कारण भारी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए हैं। उन्होंने मांग की है कि इस पूरे गंभीर प्रकरण पर सर्वोच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल पद से हटाते हुए उन पर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह विवाद ऐसे समय में तूल पकड़ रहा है जब विभिन्न राज्यों में चुनावी सरगर्मियों के बीच एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई है कि बड़ी संख्या में जारी किए गए नोटिस मशीन जनित प्रतीत होते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह गहराता जा रहा है।

दिल्ली में धार्मिक टिप्पणी विवाद: अदालत ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली की एक अदालत ने हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े एक गंभीर विवाद में दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। यह मामला एक छात्र-कार्यकर्ता और उनके पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग से जुड़ा है। भाजपा से जुड़ी अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने आरोप लगाया है कि इन दोनों ने सोशल मीडिया पर जानबूझकर ऐसा कंटेंट पोस्ट किया है, जिसमें हिंदू देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक और आपत्तिजनक बातें कही गई हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।
दिल्ली की अदालत ने दिल्ली पुलिस को संवेदनशील मामले में अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा, यानी कार्रवाई रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) पेश करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता सचदेवा ने पहले दिल्ली पुलिस के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उनका कहना था कि पुलिस की ओर से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इसकारण उन्होंने न्याय के लिए अदालत का रुख किया और एफआईआर दर्ज करने की याचिका दाखिल की। मुख्य महानगर दंडाधिकारी (सीजेएम) मृदुल गुप्ता की अदालत में याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखक दिल्ली पुलिस को न केवल अपना जवाब दाखिल करने को कहा, बल्कि यह भी निर्देश दिया कि वह अपनी कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस की रिपोर्ट का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के बाद ही यह अंतिम फैसला लिया जाएगा कि एफआईआर दर्ज की जाए या नहीं।

राम मंदिर दान चोरी केस में 7000 पन्ने की चार्जशीट दाखिल

चंपत राय और अनिल मिश्रा का नाम शामिल नहीं

अयोध्या, एजेंसी।
राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर आठों आरोपियों के खिलाफ एंटी करप्शन कोर्ट में 7 हजार पन्नों से अधिक की विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। विवेचक बुधवार सुबह बड़े-बड़े बक्सों में चार्जशीट लेकर कोर्ट पहुंचे, जिसमें आरोप पत्र के साथ-साथ बैंक स्टेटमेंट और बैंक की जमा पर्चियां भी मौजूद थीं। इस चार्जशीट में राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा का नाम न होने पर मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं ने गहरी नाराजगी और असंतोष जताया है।
दाखिल की गई इस चार्जशीट में कुल 173 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं और इसमें 105 बार चोरी होने का जिक्र किया गया है। इसके अलावा, रिकॉर्ड की गई जांच में 803 चीजों का रिकॉर्ड पूरी तरह सही पाया गया है, जबकि 86 कीमती

चीजों की रसीद नहीं मिल सकी है। पुलिस द्वारा आरोपियों के पास से कार, गहने और 79.85 लाख रुपये नकद बरामदगी का भी चार्जशीट में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई पिछली सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को जानकारी दी थी कि एसआईटी इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करेगी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर मूल्यवान चढ़ावे से संबंधित लगाए गए सभी आरोपों का गहन सत्यापन किया था। एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के गिनती कक्ष के सीसीटीवी फुटेज और अन्य डिजिटल आंकड़ों से यह स्पष्ट हुआ कि गिनती प्रक्रिया में शामिल कुछ लोगों की मिलीभगत से कक्ष से नकदी को अनधिकृत रूप से निकालने या छिपाने के 105 मामले सामने आए थे।
चार्जशीट और एसआईटी की रिपोर्ट में कुल आठ आरोपियों की पहचान की गई है, तथा उनके बैंक खातों में जमा उस रकम का पूरा ब्यौरा दिया गया है जिसका कोई स्पष्ट स्रोत नहीं मिल सका है। इसके साथ ही, उन सभी चल और अचल संपत्तियों की जानकारी भी सार्वजनिक की गई है जिनमें चोरी का अवैध पैसा लगाया गया था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और अधिवक्ताओं द्वारा नाम शामिल न किए जाने पर लगातार तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

जिसकी विरोधी रहीं सायोनी अब उसी भाजपा के लिए मांगेंगी वोट

बंगाल उपचुनावों में नए समीकरण बनते दिख रहे

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ सामने आया है, जहां अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखर आलोचक सायोनी घोष अब भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करती दिख सकती हैं। नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में भाजपा का समर्थन करने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अरूप रॉय की डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने भी इन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिससे मुकाबला और भी त्रिकोणीय हो गया है। फिलहाल, एनसीपीआई ने अपने नेताओं के नामों का ऐलान नहीं किया है, जो भाजपा के लिए प्रचार करेंगे।
एनसीपीआई, जिसमें ममता बनर्जी से अलग हुए 20 बागी सांसद शामिल हैं, ने खुद को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) का दूसरा सबसे बड़ा भागीदार बताया है। पार्टी ने कहा है कि चूंकि उनके पास कोई उम्मीदवार नहीं है, इसलिए उन्होंने भाजपा के समर्थन में प्रचार करने का फैसला किया है। एनसीपीआई का दावा है

कि एनडीए में वे भाजपा के बाद सबसे बड़े दल हैं। पार्टी अध्यक्ष ज्योति प्रकाश चटर्जी ने इस फैसले को राज्य के भविष्य से जोड़ा। उन्होंने कहा, एनसीपीआई एनडीए में भाजपा के बाद सबसे बड़ा साझेदार है। जिस तरह से हमारे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री राज्य के लिए काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि लंबे समय से चली आ रही टकराव की स्थिति से अब राज्य के लोगों को छुटकारा मिलना चाहिए। अब टकराव का समय नहीं है, बल्कि साथ मिलकर काम करने का समय है। उन्होंने आने वाले समय में एक बड़ी बैठक की भी घोषणा की, जिसमें केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के शामिल होने की बात कही गई। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि इस समर्थन का मतलब किसी चुनावी गठबंधन से नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता सायंतन बसु ने कहा, यह अच्छी बात है कि एनसीपीआई ने भाजपा के लिए प्रचार करने का फैसला किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बंगाल में भाजपा और एनसीपीआई का कोई चुनावी गठबंधन हो सकता है या भविष्य में किसी भी तरह से सीटों का बंटवारा हो सकता है। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने इन उपचुनावों को ममता बनर्जी के खिलाफ सीधी लड़ाई माना है। पार्टी नेता संदीपन साहा ने कहा कि यह चुनाव साबित कर देगा कि असली तृणमूल वे ही हैं, क्योंकि ममता गुट की उम्मीदवार मुकाबले से पीछे हट गई हैं। इस बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस भी राज्य में तृणमूल कांग्रेस में टूट का फायदा उठाने की कोशिश में है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि उनकी पार्टी को अब तृणमूल की जगह लेनी चाहिए और भाजपा विरोधी सभी मतदाताओं, खासकर अल्पसंख्यक मतदाताओं की स्वाभाविक पसंद के रूप में उभरना चाहिए।

कुंभ की तैयारियों में तेजी: रोड़ी-बेलवाला और शोल क्षेत्र में मेलाधिकारी ने परखी व्यवस्थाएं

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के मद्देनजर मेलाधिकारी सोनिका ने बुधवार को रोड़ी-बेलवाला और शोल क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों एवं जनसुविधाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने हाथी पुल से शिवसेतु होते हुए धनुष पुल तक विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ भीड़ प्रबंधन और आकस्मिक निकासी व्यवस्था को मजबूत करना रहा। मेलाधिकारी ने पुलों और घाटों के अनुरक्षण, नए घाटों के निर्माण तथा भीड़ प्रबंधन से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश निर्माण निगम के

अधिकारियों को हरकी पैड़ी और रोड़ी-बेलवाला क्षेत्र के पुनर्विकास से जुड़े प्रमुख कार्य कुंभ मेले से पहले पूर्ण कराने को कहा गया। साथ ही मेला क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिवसेतु और धनुष पुल के बीच बनाए जा रहे घाट का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वहां स्वच्छता, प्रकाश और अन्य आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। धनुष पुल से आस्था पथ को जोड़ने के लिए बनाए जा रहे पैदल मार्ग का भी निरीक्षण किया गया। मेलाधिकारी ने कहा कि हरकी पैड़ी से श्रद्धालुओं की निकासी के लिए धनुष पुल से आस्था पथ होते हुए बैरागी कैंप तक जोड़ने वाला यह मार्ग भीड़ प्रबंधन और आकस्मिक निकासी योजना की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए निर्माण में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने क्षेत्र में पर्याप्त शौचालय, आकर्षक प्रकाश स्तंभ और अन्य सुविधाएं तेजी से विकसित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, परियोजना प्रबंधक उत्तर प्रदेश निर्माण निगम सुमित मलवाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

यूसीसी कोई कानूनी सुधार नहीं, विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का हथियार

-कांग्रेस का आरोप- केंद्र सरकार ने विधि आयोग के निष्कर्षों को कर दिया नजरअंदाज

नई दिल्ली,, एजेंसी।
कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार और बीजेपी के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कोई कानूनी सुधार नहीं है, बल्कि ''विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार'' और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए गठित राज्य सरकार की समिति से बंबई हाईकोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश के इस्तीफे और समिति के कामकाज को लेकर उठाए गए सवालों का हवाला देते हुए कहा कि इससे कई ''बड़े सवाल'' खड़े होते हैं। उन्होंने एक बयान में सवाल किया कि क्या संविधान सभा ने कभी ऐसी स्थिति की कल्पना की थी, जिसमें हर राज्य अपनी अलग समान नागरिक संहिता बनाए? रमेश ने कहा कि इसका जवाब है बिल्कुल नहीं।''
रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि 17 जून 2016 को मोदी सरकार ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे को विस्तृत अध्ययन के लिए भारत के 21वें विधि आयोग के पास भेजा था। उन्होंने कहा कि व्यापक अध्ययन के बाद आयोग ने 31 अगस्त 2018 को 'पारिवारिक कानून में सुधार' पर अपना परामर्श पत्र जारी किया था। उन्होंने कहा कि परामर्श पत्र के पृष्ठ सात के अनुच्छेद 1.15 में आयोग का निष्कर्ष स्पष्ट था कि ''इस स्तर पर समान नागरिक संहिता बनाना न तो जरुरी है और न ही वांछनीय। रमेश ने कहा कि इसके बजाय विधि आयोग ने भारत की कानूनी और सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए अलग-अलग पारिवारिक कानूनों में मौजूद भेदभाव को दूर करने की सिफारिश की थी।
कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उसी विधि आयोग के निष्कर्षों को नजरअंदाज कर दिया, जिसे उसने इस मुद्दे की जांच का जिम्मा सौंपा था। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में बीजेपी शासित कई राज्यों ने अपनी-अपनी समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम उठाए हैं। रमेश ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए के बाकी दलों की आवाज दबा दी गई है और बीजेपी उन्हें ''चुप करा रही है।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के लिए समान नागरिक संहिता ''कोई ऐसा कानूनी सुधार नहीं है, जिसे पूरी तरह सोच-विचार के बाद, ज्यादा

से ज्यादा व्यापक विचार-विमर्श और सार्वजनिक बहस के जरिए और अधिकतम संभव सहमति के साथ लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि असल में यह विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार है, लोगों को परेशान करने और डराने का जरिया है, पूर्वाग्रहों को भड़काने और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है।

दिव्यांगों की गुहार पर डीएम का तत्काल एक्शन, पुलिस को दिए अनावश्यक परेशान न करने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में भूमि एवं संपत्ति पर अवैध कब्जे, संपत्ति विवाद, भूमि संबंधी धोखाधड़ी, अतिक्रमण, सार्वजनिक सुविधाओं, पेंशन, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि पात्र लोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में दिव्यांगजन भी जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचे। उन्होंने बताया कि रोजगार के लिए खोखा या ठिया लगाकर जीविका चला रहे दिव्यांगजनों को पुलिसकर्मियों द्वारा आए दिन परेशान किया जाता है और ठिया हटाने की धमकी दी जाती है। दिव्यांगजनों ने जिलाधिकारी से संरक्षण प्रदान करने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए

जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित थानाध्यक्षों से दूरभाष पर वार्ता की और निर्देश दिया कि दिव्यांगजनों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए तथा उनके रोजगार में बेवजह बाधा उत्पन्न न हो।

जिलाधिकारी ने अपने कार्यालय स्टाफ को निर्देशित किया कि जनपद के सभी थानों, चौकियों और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश पत्र भेजे जाएं, ताकि ईमानदारी और निष्ठा से रोजगार कर रहे दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो और उनके सम्मानपूर्वक जीवन-यापन में सहयोग मिले।

उन्होंने अधिकारियों को वीडियो वार्ता और दूरभाष के माध्यम से यह भी निर्देश दिया कि लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए। यदि कोई व्यक्ति किसी एक योजना के लिए आवेदन करता है तो उसकी पात्रता अन्य योजनाओं के लिए भी जांची जाए और पात्र होने पर उसे संबंधित योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। जनसुनवाई में अपर जिलाधिकारी भूमि एवं अध्याप्ति, अपर जिलाधिकारी नगर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, नगर मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

15 हजार की रिश्वत लेते बिजली विभाग का लेखाकार और आउटसोर्सिंग कर्मचारी रंगे हाथ गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर स्थित विद्युत वितरण खंड कार्यालय में भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बिजली विभाग के लेखाकार और एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक कृष्ण अवतार के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लेखाकार अवधेश कुमार और आउटसोर्सिंग कर्मचारी मोनू कुमार के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता चांदपुर के मोहल्ला काजी जादगान निवासी शिवम पुत्र स्वर्गीय विनोद कुमार ने आरोपियों के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार उसके 43,870 रुपये के बिलों की टीआई यानी अस्थाई पैशगी को बंद करने के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी। परेशान होकर उसने मामले की शिकायत भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद से की। शिकायत का संज्ञान लेते हुए विजिलेंस टीम ने मामले की जांच की और आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। बुधवार दोपहर करीब 3:05 बजे अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड चांदपुर के कार्यालय स्थित कमरा नंबर पांच में टीम ने कार्रवाई की। बताया गया कि आउटसोर्सिंग कर्मचारी मोनू कुमार ने लेखाकार अवधेश कुमार की सीट के पास शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपये की रिश्वत ली। इसी दौरान पहले से मौजूद विजिलेंस टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद कार्यालय में हड़कंप मच गया। ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक कृष्ण अवतार की ओर से आरोपियों के खिलाफ थाना चांदपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के अनुपालन मे मुरादाबाद की जकारिया शाहिद कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई

मुरादाबाद (शिखर समाचार) कारखाना अध1948 की धारा 111-अ के अनुपालन मे जकारिया शाहिद में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी और कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये जिस से कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके । कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिमेदारी ह की वह कारखाने में काम करने वाले सभी करमचारियो को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए और मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है ।

वर्णी जी की 153वीं जयंती पर खतौली में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, देश-विदेश से जुटेंगे विद्वान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। जैन शिक्षण संस्था के संस्थापक और जैन जगत में गांधी के नाम से प्रसिद्ध पूज्य 105 क्षुल्लक गणेश प्रसाद वर्णी की 153वीं जन्म जयंती के अवसर पर आगामी 30 सितंबर को खतौली स्थित श्री कुंद कुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में वर्णी जी के शिक्षा दर्शन, सामाजिक सरोकार, साहित्यिक योगदान और वैचारिक विरासत पर देश-विदेश से आए विद्वान विचार-विमर्श करेंगे।

कार्यशाला में मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की कुलपति प्रोफेसर विमला वाई के अलावा लंदन विश्वविद्यालय से अनुभव जैन, बर्मिंघम इंग्लैंड से डॉक्टर जिनेश सेठ, अहमदाबाद से डॉक्टर सोनू जैन, श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली से प्रोफेसर वीर सागर जैन, प्रोफेसर अनेकांत जैन सहित अन्य विद्वान शामिल होंगे। महाविद्यालय

प्रबंध समिति के अध्यक्ष योगेश चंद जैन सर्राफ, उपाध्यक्ष मनोज कुमार जैन सर्राफ और सचिव मुकेश जैन एडवोकेट ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

वर्णी जी को महान साधक, शिक्षाविद, समाज सुधारक और साहित्यकार के रूप में याद किया जाता है। जन्म से जैन न होने के बावजूद उन्होंने स्वाध्याय और पुरुषार्थ के माध्यम से जैन दर्शन को अपनाया तथा ज्ञान के प्रसार को जीवन का प्रमुख उद्देश्य बनाया। उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 250 शिक्षण संस्थाओं की स्थापना के लिए प्रेरक भूमिका निभाई। खतौली से उनका विशेष संबंध रहा। वे 1926 और 1948 में यहां आए। प्रथम आगमन के दौरान उन्होंने नगर में संस्कृत पाठशाला की स्थापना की, जो कालांतर में विस्तृत होकर श्री कुंद कुंद जैन शिक्षा संघ की आधारशिला बनी। वर्तमान में इसके अंतर्गत चार प्रमुख शिक्षण संस्थाएं संचालित हैं। वर्णी जी की आत्मकथा 'मेरी जीवन गाथा' उनके जीवन संघर्ष और तत्कालीन सामाजिक-शैक्षिक परिस्थितियों का महत्वपूर्ण दस्तावेज मानी जाती है। रेलवे रोड स्थित संस्था परिसर में उनकी प्रतिमा भी स्थापित है, जिसे वर्णी वाटिका के नाम से जाना जाता है।

कृषक समृद्धि योजना और भारत टैक्सी सेवा का शुभारंभ, सहारनपुर में हुआ सजीव प्रसारण

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री आवास से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना एवं भारत टैक्सी सेवा का शुभारंभ किया। सहारनपुर में आयोजित जनपद स्तरीय सजीव प्रसारण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के माध्यम से लघु एवं सीमांत किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण की महत्वपूर्ण पहल है। योजना के तहत पात्र किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन ऋण छह प्रतिशत प्रभावी ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। समय से किस्त जमा करने वाले किसानों को राज्य सरकार की ओर से ब्याज अनुदान का लाभ भी मिलेगा।

उन्होंने बताया कि योजना के लिए प्रदेश सरकार ने 384 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं और आगामी पांच

वर्षों में पांच लाख किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक सहारनपुर की ओर से किसान क्रेडिट कार्ड के तीन तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना और कृषि अवसंरचना कोष के एक-एक लाभार्थी को सांकेतिक चेक वितरित किए गए। इसी अवसर पर भारत टैक्सी सेवा का भी शुभारंभ किया गया। सहकार टैक्सी सहकारी लिमिटेड द्वारा संचालित भारत टैक्सी को सहकारी नेतृत्व वाला डिजिटल सवारी वाहन मंच बताया गया, जो "सारथी ही मालिक" की भावना पर आधारित है। इसके माध्यम से यात्रियों को सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा मिलने के साथ चालकों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

कार्यक्रम में विधायक किरत सिंह, राजीव गुम्बर, देवेंद्र निम, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत राणा, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष राजपाल सिंह, जिला सहकारी विकास संघ सभापति सोनेन्द्र राणा, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. सुनील कुमार वर्मा सहित सहकारिता विभाग के अधिकारी और 350 से अधिक किसान एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कृष्णी नदी में प्रदूषण रोकने को सख्ती, आरआरसी केंद्रों का होगा भौतिक सत्यापन

शामली (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में नदी संरक्षण, जल प्रदूषण, सीवेज प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट निस्तारण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को प्रभावी निगरानी के साथ लापरवाही मिलने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ग्राम पंचायतों में स्थापित आरआरसी केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराने को कहा। अक्रियाशील केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कराकर उनका शीघ्र संचालन सुनिश्चित करने तथा सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्रों के प्रभावी संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। ठोस अपशिष्ट का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

बैठक में कृष्णी नदी और उसमें गिरने

वाले नालों की नियमित निगरानी, नालों की टैपिंग, फिल्टर चैंबर, सिल्ट कैचर तथा अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। नदी में अनुपचारित सीवेज और ठोस कचरा जाने से रोकने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

कृष्णी नदी की जल गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए नियमित रूप से जल के नमूने लेकर जांच कराने और प्रदूषण के स्रोत चिह्नित कर सुधारात्मक कार्रवाई करने को कहा गया। सीवेज उपचार संयंत्रों की कार्यशीलता तथा उपचारित पानी की गुणवत्ता की भी नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। इसके अलावा एकल उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ अभियान तेज करने, जैव चिकित्सा अपशिष्ट का नियमानुसार निस्तारण कराने और प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने को कहा गया। विद्यालयों एवं ग्राम पंचायतों में स्वच्छता, पर्यावरण और जैव विविधता संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने पर भी जोर दिया गया।

नवागत डीएम ने संभाला कार्यभार, समय से पहले पत्रकार वार्ता खत्म होने पर पत्रकारों में नाराजगी

बिजनौर (शिखर समाचार)। नवागत आईएएस अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने बुधवार को बिजनौर के जिलाधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से स्थानांतरित होकर बिजनौर पहुंचे उमेश प्रताप सिंह ने कोषागार पहुंचकर पदभार ग्रहण करने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक कर जिले की प्रशासनिक व्यवस्था और प्राथमिकताओं की जानकारी ली। नवागत जिलाधिकारी के कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से औपचारिक बातचीत के लिए सूचना विभाग की ओर से दोपहर 12:30 बजे महात्मा विदुर सभागार में पत्रकार वार्ता का समय निर्धारित किया गया था। निर्धारित समय पर कलेक्ट्रेट पहुंचे कई पत्रकारों को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा, जब उन्हें जानकारी मिली कि पत्रकार वार्ता निर्धारित समय से पहले ही शुरू होकर समाप्त हो चुकी है। इसके चलते जिले के कई वरिष्ठ पत्रकार नवागत जिलाधिकारी से मुलाकात और संवाद किए बिना ही वापस लौट गए। पत्रकारों का कहना है कि जब पत्रकार वार्ता का समय दोपहर 12:30 बजे निर्धारित किया गया था, तो उसे उससे पहले समाप्त करना उचित नहीं था। सीमित संख्या में लोगों की मौजूदगी में समय से पहले पत्रकार वार्ता किए जाने को लेकर सूचना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए। पत्रकारों में इस बात को लेकर नाराजगी देखी गई कि नवागत जिलाधिकारी के साथ पहली औपचारिक मीडिया बातचीत के अवसर पर ही सूचना विभाग बेहतर समन्वय नहीं बना सका। स्थानीय पत्रकारों ने भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने तथा मीडिया के साथ कार्यक्रमों के समय और सूचना को लेकर बेहतर समन्वय बनाए जाने की मांग की है।

ओटीएस की तारीख बढ़ी, डिफाल्टर आवंटियों को बड़ी राहत, 15 दिसंबर तक मौका

दंड ब्याज से मिलेगी छूट, आवासीय संपत्तियों के साथ मानचित्र डिफाल्टर भी उठा सकेंगे लाभ

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने अपनी आवासीय संपत्तियों और मानचित्रों से जुड़े डिफाल्टर आवंटियों को बड़ी राहत देते हुए एकमुश्त समाधान योजना की समयसीमा बढ़ाकर 15 दिसंबर कर दी है। योजना की अवधि बढ़ाए जाने से ऐसे आवंटियों को बकाया धनराशि का निस्तारण कराने का एक और अवसर मिला है। प्राधिकरण उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्र ने डिफाल्टर आवंटियों से निर्धारित समयसीमा के भीतर योजना का लाभ उठाने की अपील की है। अधिकारियों ने साफ किया है कि 15 दिसंबर के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

171 डिफाल्टर आवंटियों को मिलेगा लाभ

एचपीडीए के प्रभारी सचिव अमित कादियान ने बताया कि प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय योजनाओं में करीब 171 डिफाल्टर आवंटी हैं। इन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्राधिकरण की ओर से सूचित भी

किया गया है। इससे पहले एकमुश्त समाधान योजना 18 अप्रैल से 18 जुलाई तक लागू की गई थी। इस अवधि में 78 आवंटियों ने योजना का लाभ उठाया था। शासन के निर्देश पर अब योजना की अवधि दोबारा बढ़ाकर 15 दिसंबर तक कर दी गई है।

दंड ब्याज नहीं, केवल साधारण ब्याज देना होगा

योजना के तहत आवासीय संपत्तियों के डिफाल्टर आवंटियों को दंड ब्याज से राहत दी जाएगी। योजना का लाभ लेने वाले आवंटियों से केवल साधारण ब्याज लिया जाएगा। यह साधारण ब्याज उस ब्याज दर के बराबर होगा, जो संपत्ति आवंटन के समय किस्तों के निर्धारण पर लागू थी। इससे डिफाल्टर आवंटियों को बकाया राशि का निस्तारण कराने में राहत मिलने की उम्मीद है।

मानचित्र से जुड़े डिफाल्टर प्रकरण भी होंगे शामिल

एचपीडीए की एकमुश्त समाधान योजना केवल आवासीय संपत्तियों तक सीमित नहीं है। मानचित्र से जुड़े डिफाल्टर प्रकरणों के लिए भी योजना लागू रहेगी। ऐसे डिफाल्टर भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

15 दिसंबर के बाद आवेदन नहीं होंगे स्वीकार

प्रभारी सचिव अमित कादियान ने बताया कि योजना का लाभ लेने के इच्छुक आवंटियों को निर्धारित अंतिम तिथि से पहले आवेदन करना होगा। 15 दिसंबर के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। योजना से संबंधित जानकारी और प्रक्रिया के लिए डिफाल्टर आवंटी प्राधिकरण कार्यालय में सहायक अभियंता एवं संपत्ति अधिकारी कमल थापर से संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 62 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत बुधवार को विकासखंड मुरादनगर परिसर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 62 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। नवविवाहित जोड़ों को योजना के तहत निर्धारित उपहार सामग्री प्रदान की गई तथा उन्हें सुखद दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। योजना के अंतर्गत प्रत्येक विवाहित जोड़े को 21 हजार रुपये की उपहार सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। इसमें वर-वधू के कपड़े, स्टील भोजन सेट, प्रेशर कुकर, ट्रॉली बैग, श्रृंगार सामग्री और दीवार घड़ी सहित अन्य सामान शामिल है। इसके अतिरिक्त कन्या के बैंक खाते में 64 हजार रुपये की धनराशि भुगतान किए जाने का प्रावधान है। बुधवार को आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अनुसूचित जाति के 21, अन्य पिछड़ा वर्ग के 16, सामान्य वर्ग के सात तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 18 जोड़े शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित 14 हिंदू जोड़ों का हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार विवाह कराया गया। इस दौरान फेरे और जयमाला की रस्म पूरी हुई, जबकि अल्पसंख्यक वर्ग के 18 जोड़ों का निकाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच, भोजपुर की प्रमुख क्षेत्र पंचायत सुचेता सिंह तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी संदीप चौधरी मौजूद रहे। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने नवदंपतियों के सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के सफल आयोजन में समाज कल्याण विभाग और विकासखंड कार्यालय मुरादनगर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा। विभागीय अधिकारियों ने योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को लाभ पहुंचाने और निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुसार कार्यक्रम संपन्न कराने की जानकारी दी।

रातोंरात खड़े किए जा रहे अवैध निर्माण पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर, 14 भवनों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

भारी विरोध के बावजूद टीम ने चलाया सघन अभियान, बालकनी, छज्जों और साझा क्षेत्रों में किए गए अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सिद्धार्थ विहार योजना स्थित ब्रह्मपुत्र इन्क्लेव में भवनों के साझा क्षेत्र, बालकनी, छज्जों सहित अन्य हिस्सों में कथित तौर पर रातोंरात गुपचुप तरीके से किए जा रहे अवैध और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ विकास प्राधिकरण ने सख्त कार्रवाई की। लंबे समय से सामने आ रही इस समस्या को लेकर संबंधित खंड के कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा पूर्व में भी लगातार नोटिस जारी कर निर्माण कार्य रुकवाने तथा नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की चेतावनी दी जाती रही है।

इसी क्रम में बुधवार को ब्रह्मपुत्र इन्क्लेव में प्राधिकरण की टीम ने सघन अभियान चलाया। अधिशासी अभियंता विकास गौतम के नेतृत्व में

खंड सीडी-2 की टीम मौके पर पहुंची और भवनों में किए गए अनधिकृत निर्माण की जांच के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। अभियान के दौरान कुल 14 भवनों में अवैध निर्माण को चिह्नित करते हुए कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन प्राधिकरण की टीम ने विरोध के बावजूद अभियान जारी रखा।

प्राधिकरण की कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप की स्थिति बन गई। अधिकारियों के अनुसार भवनों के साझा क्षेत्रों और अन्य हिस्सों में बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण से भवनों की मूल संरचना और स्वीकृत मानचित्र प्रभावित होने की स्थिति बन सकती है। ऐसे निर्माण के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। प्राधिकरण की इस कार्रवाई को अवैध निर्माण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृति या निर्धारित नियमों के विपरीत निर्माण किए जाने पर नोटिस और ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई आगे भी जारी रह सकती है।

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना से किसानों को छह लाख तक का ऋण, भारत टैक्सी सेवा का भी शुभारंभ

हापुड़ (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना एवं भारत टैक्सी सेवा के शुभारंभ कार्यक्रम का बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीधा प्रसारण किया गया। सहकारिता विभाग एवं उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, बैंक पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजक उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की निदेशक सतीश प्रधान रहे। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर तथा जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि इसका उद्देश्य लघु एवं सीमांत किसानों को सुलभ और रियायती दर पर दीर्घकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराकर उनकी कृषि उत्पादकता एवं आय में वृद्धि करना है। योजना के तहत पात्र किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालीन ऋण छह प्रतिशत की प्रभावी ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। समय से ऋण की किस्तें जमा करने वाले किसानों को राज्य सरकार की ओर से ब्याज अनुदान का लाभ भी मिलेगा। योजना के लिए प्रदेश सरकार ने 384 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं तथा आगामी पांच वर्षों में करीब पांच लाख किसानों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। कृषि आधारित अन्य गतिविधियों और आवश्यक पूंजीगत निवेश के लिए भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराने तथा ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक की हापुड़ जनपद स्थित शाखाओं से समय से ऋण अदायगी करने वाले ऋणी सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसी अवसर पर प्रदेश में भारत टैक्सी सेवा का भी शुभारंभ किया गया। सहकारी टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित इस डिजिटल सवारी वाहन मंच का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के साथ चालकों के आर्थिक सशक्तीकरण, रोजगार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। जनप्रतिनिधियों ने योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में दम दिखाएगी महिला कबड्डी टीम

गोरखपुर, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम का अंतिम चयन मंगलवार को पूरा हो गया। चयनित 14 सदस्यीय टीम अक्तूबर में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में होने वाली अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी। टीम के चयन के लिए विश्वविद्यालय के क्रीड़ा प्रांगण में ट्रायल हुआ जिसमें परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों की खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़ी निगरानी में खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया गया।

मूसलाधार बारिश से ढहा कच्चा मकान, मलबे में दबने से बाल-बाल बचा परिवार, पोस्ट ऑफिस के कमरे पर भी खतरा

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में घाटमपुर क्षेत्र के परास गांव में बुधवार सुबह हुई तेज बारिश के चलते ईंट-गारे की दीवारों से बना कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। मकान गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। हादसे में मकान का आगे का हिस्सा पूरी तरह गिर गया, जबकि घर में बना पोस्ट ऑफिस का कमरा बच गया। हालांकि, कमरा भी खतरे की स्थिति में है। परास गांव निवासी उमेश अवस्थी अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। उनके छोटे भाई ब्रजेश अवस्थी मंगलवार को अपनी बहन के यहां कानपुर गए थे। बुधवार सुबह तेज बारिश के दौरान अचानक मकान का आगे का हिस्सा भरभराकर गिर गया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति देखी। मकान में बने पोस्ट ऑफिस का कमरा फिलहाल बचा हुआ है, लेकिन उसके भी क्षतिग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है।

लड़कियां गोल्ड खरीदें नहीं, जीतें, ताजनगरी की बेटी ने पीएम मोदी की बात का किया समर्थन

आगरा, एजेंसी। ताजनगरी की बेटी दीप्ति शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद न सिर्फ अपनी उपलब्धि की खुशी साझा की, बल्कि देश की बेटियों के लिए भी खास संदेश दिया। मैच के बाद एक न्यूज चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि गोल्ड मेडल जीतना हमेशा ही महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि वह अपने जीते हुए स्वर्ण पदक को घर में ऐसी जगह रखेंगी, जहां वह हमेशा उनकी आंखों के सामने रहे। यह पदक उन्हें आगे भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक तक पहुंचने के पीछे काफी मेहनत और संघर्ष होता है। इसलिए यह मेडल उनके लिए हमेशा खास रहेगा। बातचीत के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस बात का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने बेटियों और महिलाओं को गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड जीतने का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि लड़कियों को खेलों में आगे बढ़ना चाहिए और अपने प्रदर्शन के दम पर देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहिए।

काशी में जुटेंगे तीन मंडल के स्वास्थ्य अधिकारी, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा पर होगा मंथन

वाराणसी, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के क्रियान्वयन और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें वाराणसी सहित तीन मंडलों के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ ही निजी अस्पतालों के संचालकों, स्वास्थ्य कर्मी जुटेंगे। सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होने वाली इस कार्यशाला में आयुष्मान योजना पर विशेष फोकस किया जाएगा। सरकारी अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही अन्य चिकित्सा इकाइयों में डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में अलग-अलग कार्यक्रम चल रहा है। बुधवार को होने वाली कार्यशाला को लेकर सीएमओ कार्यालय में दिन भर तैयारियां चलती रहीं। सीएमओ डॉ. एनपी सिंह ने बताया कि कार्यशाला में वाराणसी, आजमगढ़, मिर्जापुर मंडल के अपर निदेशक स्वास्थ्य, इसके तहत आने वाले जिलों के सीएमओ, अन्य स्वासथ्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस दौरान शासन स्तर से चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सचिव रितु माहेश्वरी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरती वर्मा शामिल होंगी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य संस्थानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने, डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड, एबीएचए आईडी, स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल तकनीक के उपयोग से संबंधित विषयों पर चर्चा की जाएगी।

सेवा और शिक्षा के संकल्प के साथ लायंस क्लब का 57वां अधिष्ठापन समारोह संपन्न, राजीव सिंघल बने अध्यक्ष

हापुड़ (शिखर समाचार)। लायंस क्लब हापुड़ का 57वां अधिष्ठापन समारोह मनोहर हेरिटेज में "करुणा से सेवा" की थीम के साथ आयोजित किया गया। समारोह में राजीव कुमार सिंघल ने अध्यक्ष, सौरभ अग्रवाल 'गोविंद' ने सचिव और आदित्य गोयल ने कोषाध्यक्ष का दायित्व संभाला। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय निदेशक सीए विनय मित्तल ने लायंस की सेवा परंपरा, आपसी विश्वास और समर्पण को संगठन की शक्ति बताते हुए जरूरतमंद वर्ग तक सेवा पहुंचाने के क्लब के प्रयासों की सराहना की।

समारोह में उद्घाटन अधिकारी सीए आदित्य गुप्ता, मुख्य वक्ता पंकज बिजलवान, विशिष्ट अतिथि डॉ. विनय सिसोदिया, अधिष्ठापन अधिकारी नवनीत अग्रवाल और सदस्यता अधिकारी गिरिराज माहेश्वरी मौजूद रहे। इस दौरान क्लब की ओर से जरूरतमंदों को साइकिल, सिलाई मशीन और दिव्यांगजनों के लिए विशेष साइकिल वितरित की गईं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शिव पाठशाला को पंखे भी उपलब्ध कराए गए। अधिष्ठापन अध्यक्ष सचिन सिंघल ने घोषणा की कि क्लब के सौजन्य से किसी जरूरतमंद विद्यालय में आधुनिक स्मार्ट कक्षा स्थापित कराई जाएगी। इसके साथ ही लायंस प्याऊ परियोजना का विस्तार कर शहर के अधिक स्थानों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की योजना है। वरिष्ठ सदस्य विजय गोयल ने बताया कि क्लब द्वारा 10 से अधिक स्थायी सेवा प्रकल्प लगातार संचालित किए जा रहे हैं। निवर्तमान अध्यक्ष अशोक चौकड़ियात और प्रणव आर्य ने वर्षभर किए गए सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

समारोह में अग्रवाल महासभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अतुल चौकड़ियात, सचिव विमेश गोयल, उपप्रधान राजेंद्र अग्रवाल सहित पूरी टीम तथा हापुड़ के 12 लायंस क्लबों के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्षों को सम्मानित किया गया। क्लब के पूर्व गवर्नर स्वर्गीय मुकेश गोयल को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कैराना पालिका की 23 दुकानों की बोली प्रक्रिया पूरी, दुकान नंबर 13 के लिए लगी 82 लाख की सबसे ऊंची बोली

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद कैराना की 23 दुकानों को किराए पर देने के लिए बुधवार को बोली प्रक्रिया पूरी कराई गई। पालिका कार्यालय के सभागार में सुबह 11 बजे शुरू हुई प्रक्रिया में सैकड़ों व्यापारियों ने हिस्सा लिया। सभासद भी बोली प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहे। दुकानों को लेने के लिए व्यापारियों में काफी उत्साह दिखाई दिया। पालिका अध्यक्ष शमसाद अंसारी, तहसीलदार अर्जुन सिंह चौहान और अधिशासी अधिकारी समीर कुमार कश्यप की मौजूदगी में बोली प्रक्रिया शुरू हुई। सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत दुकानों के लिए व्यापारियों ने बोली लगाई और सर्वाधिक बोली लगाने वाले बोलीदाताओं को दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया में शामिल किया गया।

पालिका अध्यक्ष शमसाद अंसारी ने बताया कि दुकानों के आवंटन की पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी तरीके से कराई गई। पालिका की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से दुकानों की बोली प्रक्रिया आयोजित की गई थी। प्रक्रिया के दौरान दुकान संख्या 13 के लिए सर्वाधिक 82 लाख रुपये की बोली लगाई गई, जो सभी दुकानों में सबसे ऊंची बोली रही।

लंबे समय से दुकानों के आवंटन का इंतजार कर रहे व्यापारियों के लिए यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण रही। बड़ी संख्या में व्यापारियों की मौजूदगी के कारण पालिका कार्यालय परिसर में दिनभर गतिविधियां बनी रहीं। अधिकारियों ने बोली प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों और व्यवस्थाओं का पालन सुनिश्चित कराया।

बिजली चेकिंग के दौरान जेई को बनाया बंधक, लात-घूंसों से पीटा, मारपीट का वीडियो वायरल

बिजनौर (शिखर समाचार)। वन विभाग की कार्रवाई के बाद अब चांदपुर क्षेत्र में बिजली विभाग की टीम के साथ मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बागड़पुर गांव में बिजली चोरी की जांच करने पहुंची टीम के जूनियर अभियंता सुदीप कुमार शर्मा को कथित तौर पर बंधक बनाकर पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में कई लोग जूनियर अभियंता की कॉलर पकड़कर उनके साथ लात-घूंसों से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। मामले में पुलिस ने पीड़ित जूनियर अभियंता की तहरीर पर छह नामजद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि जूनियर अभियंता सुदीप कुमार शर्मा अपनी टीम के साथ बागड़पुर गांव में बिजली चोरी की जांच करने पहुंचे थे। टीम एक घर में मीटर की आने वाली केबल में कट लगाकर सीधे बिजली चलाने यानी कटियामारी की जांच कर रही थी। टीम द्वारा जांच के साक्ष्य के तौर पर वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान ग्राम प्रधान के पति और कुछ स्थानीय किसान नेताओं ने बिजली कर्मचारियों का विरोध शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने जूनियर अभियंता को कथित रूप से बंधक बना लिया और उनके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो भी बनाए जाने और बाद में उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने की बात सामने आई है।

घटना के बाद बिजली विभाग के कर्मचारियों में रोष है। पुलिस के अनुसार जूनियर अभियंता की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। करीब एक माह पूर्व वन विभाग के कार्यालय से जबरन वाहन छुड़ाने के मामले के बाद सामने आई इस घटना को लेकर क्षेत्र में भी चर्चा है।

बीएसए ने प्रधानाध्यापिका को किया निलंबित, विद्यालयों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी और जिला समन्वयक समेकित ने बुधवार को धौलाना विकासखंड क्षेत्र के गांव नारायणपुर बासका स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय में शैक्षिक व्यवस्था, विद्यार्थियों की गतिविधियों, शिक्षण सामग्री के उपयोग और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। विद्यालय में व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित मिलने पर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की ओर से स्वच्छ भारत अभियान और विकसित भारत की विषयवस्तु पर बनाई गई विभिन्न चित्रकलाओं एवं रचनात्मक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों की ओर से तैयार चित्रकलाओं की सराहना की और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। विद्यालय में शिक्षण सामग्री का प्रभावी उपयोग करते हुए पाठ्यक्रम का गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालन होता मिला। अधिकारियों ने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता के साथ अन्य शैक्षिक गतिविधियों की भी जानकारी ली। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने बताया कि गत 28 जुलाई को उनके द्वारा प्राथमिक विद्यालय गज्जू नगला का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कुछ कमियां सामने आई थीं। इन कमियों के संबंध में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रंजना गुप्ता को अपना पक्ष रखने के लिए कई अवसर प्रदान किए गए, लेकिन उनके द्वारा आरोपों के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए।

बीएसए ने बताया कि उपलब्ध तथ्यों और प्रधानाध्यापिका की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जाने के आधार पर उन्हें आरोपों का दोषी मानते हुए विभागीय नियमावली के अनुसार निलंबित किया गया है। शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी जारी रखने की बात कही गई है।

समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों को सीधे सीज न करें, पहले दें मौका: सांसद सांगवान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग की कार्रवाई में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग की है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से मुलाकात के दौरान सांसद ने कहा कि ऐसे वाहनों को सीधे सीज करने के बजाय वाहन मालिकों को पहले नोटिस देकर निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन कार्रवाई के दौरान गरीब और ग्रामीण वाहन मालिकों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

सांसद ने कहा कि जिन वाहनों की निर्धारित समय सीमा पूरी हो चुकी है, उनके मालिकों को वाहन निस्तारण या कबाड़ में देने सहित नियमानुसार उपलब्ध विकल्प अपनाने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक वाहन मालिकों को नियमों और संबंधित प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं होती। ऐसे में परिवहन विभाग को कार्रवाई से पहले उन्हें आवश्यक जानकारी और समय उपलब्ध कराना चाहिए।

डॉ. सांगवान ने प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान वाहनों को जब्त किए जाने और उनमें सवार यात्रियों को बीच रास्ते उतार दिए जाने की समस्या भी परिवहन मंत्री के सामने रखी। उन्होंने कहा कि विभाग नियमों के अनुसार कार्रवाई करे, लेकिन यात्रियों को बीच रास्ते परेशानी में डालने से बचने के लिए व्यावहारिक व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। सांसद ने 17 दिसंबर 2025 के उच्चतम न्यायालय के निर्णय का उल्लेख करते हुए कहा कि वाहनों के खिलाफ कार्रवाई निर्धारित नियमों और न्यायालय के निर्णय के अनुरूप की जाए।

इसके अलावा सांसद ने मेरठ-बागपत क्षेत्र में प्रभावित बस सेवाओं को दोबारा सुचारु कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जिन मार्गों पर नगरीय और परिवहन बसों का संचालन पहले होता था और अब बंद है, उन्हें पुनः शुरू किया जाए। बस सेवाएं प्रभावित होने से विद्यार्थियों, कर्मचारियों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवहन मंत्री ने सांसद द्वारा उठाए गए विषयों को सुना और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई पर चर्चा करने का आश्वासन दिया।

2047 विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम: प्रदीप चौधरी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गोचर महाविद्यालय में '2047 विकसित भारत की संकल्पना मेरे सपनों का भारत कैसा होना चाहिए' विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों से अपने व्यक्तिगत सपनों और लक्ष्यों को राष्ट्र के विकास के संकल्प से जोड़कर आगे बढ़ने का आह्वान किया गया। सांस्कृतिक समिति एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कैराना लोकसभा के पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका, राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी तथा सेवा और संकल्प के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का उपयोग देश के विकास में करना चाहिए।

अखिल भारतीय गुर्जर विद्या प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष चौधरी देवराज सिंह ने कहा कि 2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और विशेषकर युवाओं की सक्रिय भागीदारी से निर्मित होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमकार सिंह ने कहा कि शिक्षा, संस्कार, सेवा, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध विकसित भारत के संकल्प की महत्वपूर्ण आधारशिलाएं हैं।

कार्यक्रम में सितंबर में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधा रानी, गरिमा, खुशी सैनी, फलक और अर्चना धीमान को प्रदीप चौधरी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। हिंदी सप्ताह के दौरान प्रश्नोत्तरी, काव्य-पाठ सहित विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभात सिंह ने किया। इस दौरान डॉ. ज्ञान सिंह, चौधरी योगेश, डॉ. आलोक पांडेय, डॉ. राजकिशोर, डॉ. इंद्रेश पुरोहित, डॉ. पवन कनौजिया, डॉ. अजीत पटेल, डॉ. अशोक वर्मा, राजबीर सिंह और अश्वनी पंवार सहित शिक्षक मौजूद रहे।

आयुर्वेद दिवस पर गौतमबुद्धनगर को मिली पंचकर्म की सुविधा, जागरूकता रैली से दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गौतमबुद्धनगर के लोगों को आयुर्वेद आधारित पंचकर्म चिकित्सा की नई सुविधा मिली। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने फीता काटकर पंचकर्म विभाग का शुभारंभ किया। इस पहल से क्षेत्रवासियों को आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से जुड़ी सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने सांसद डॉ. महेश शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद की उपयोगिता, उसके महत्व और स्वस्थ जीवनशैली में इसकी भूमिका के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। साथ ही आयुर्वेद एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जनसामान्य में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली भी निकाली गई। सांसद डॉ. महेश शर्मा और मुख्य विकास अधिकारी

भालचंद्र त्रिपाठी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में आयुष विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों, कर्मचारियों और अन्य प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने आमजन को आयुर्वेद, स्वस्थ जीवनशैली और आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. बंदना रानी, वैद्य अच्युत त्रिपाठी, आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी डॉ. दीपिका त्यागी सहित विभागीय अधिकारी, चिकित्सक और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आमजन ने भी सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने आयुर्वेद की उपयोगिता को जन-जन तक पहुंचाने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

जाट कॉलोनी में 50 लाख की लागत से बनी दो सड़कों का लोकार्पण

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद शामली की जाट कॉलोनी में मुख्यमंत्री त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत करीब 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो सड़कों का बुधवार को सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने लोकार्पण किया। सड़कों के निर्माण से जाट कॉलोनी के साथ आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। लोकार्पण के अवसर पर कॉलोनीवासियों ने विधायक का आभार जताया और धन्यवाद कार्यक्रम आयोजित किया। जाट कॉलोनी में अमित के मकान से नरेश प्रधान की ओर दीपचंद के मकान तक 270 मीटर लंबी सड़क का निर्माण 25.23 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। वहीं शंकर इंस्टीट्यूट से विनोद पटवारी के मकान तक 250 मीटर लंबी सड़क के निर्माण पर भी 25.23 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। दोनों सड़कों के निर्माण से स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलने की बात कही गई।

कॉलोनीवासियों ने बताया कि क्षेत्र में सड़कों की खराब स्थिति के कारण उन्हें आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोगों ने विधायक प्रसन्न चौधरी के समक्ष सड़कों के निर्माण की मांग रखी थी। विधायक की ओर से निर्माण का आश्वासन दिए जाने के बाद कार्य कराया गया। सड़कें बनकर तैयार होने पर कॉलोनीवासियों ने खुशी जताते हुए विधायक के सम्मान में धन्यवाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर नकली सिंह ने की तथा संचालन रविंद्र सिंह ने किया। इस दौरान विजय कौशिक, विनोद तोमर, सभासद पप्पन सिंह, अरविंद पवार, कंवरपाल मलिक, अरविंद निवाल, नरेश मलिक, संदीप धीमान, विनोद बालियान, प्रमोद कुमार, अरुण कुमार, अमित कुमार, मास्टर विजेंद्र सिंह, राजकुमार मलिक, अश्वनी कुमार और देवेंद्र मलिक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नितिन नबीन से मिले नितिन मलिक, संगठन की मजबूती और चुनावी तैयारियों पर मंथन

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के सहारनपुर दौरे के दौरान पश्चिमी क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री नितिन मलिक ने उनसे मुलाकात की। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठन की गतिविधियों, वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों और सामाजिक संपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। नितिन मलिक ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकताओं की ओर से चलाए जा रहे सामाजिक संपर्क कार्यक्रमों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बूथ, मंडल और जिला स्तर पर संगठन को सक्रिय रखने के साथ कार्यकताओं से लगातार संवाद किया जा रहा है। नितिन मलिक के अनुसार मुलाकात के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रियता बनाए रखने और समाज के विभिन्न वर्गों से निरंतर संपर्क बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सामाजिक संपर्क के माध्यम से लोगों से संवाद स्थापित करने और संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठन को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाने के लिए कार्यकताओं के साथ लगातार संवाद हो रहा है। क्षेत्र की समस्याओं और जनता से जुड़े विषयों की जानकारी लेने के साथ सामाजिक

संपर्क कार्यक्रमों को भी गति दी जा रही है। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व जनप्रतिनिधियों और संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों के साथ बैठकें भी हुईं। बैठकों में संगठन की स्थिति की समीक्षा करने के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और जमीनी स्तर की गतिविधियों को लेकर कार्यकताओं से फीडबैक लिया गया।

दादरी में स्वच्छता अभियान का जोरदार आगाज, चार रंगों के कूड़ेदानों से कचरा अलग करने का दिया संदेश

दादरी (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद दादरी की ओर से 'स्वच्छता ही सेवा' एवं 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बुधवार को नगर क्षेत्र में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2026 के प्रति जागरूक करने के साथ घर से ही कचरे को अलग-अलग रखने की आदत विकसित करना रहा। अभियान के दौरान वार्ड 11 में स्वच्छ वातावरण समिति के अध्यक्ष, नागरिकों और महिलाओं के साथ विशेष बैठक कर कचरा पृथक्करण की जानकारी दी गई। बैठक में नागरिकों को चार अलग-अलग रंगों के कूड़ेदानों में कचरा रखने की व्यवस्था समझाई गई। हरे कूड़ेदान में गीला कचरा, नीले में सूखा कचरा, काले में घरेलू हानिकारक कचरा और लाल कूड़ेदान में सैनिटरी अपशिष्ट रखने के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद पालिका की टीम ने वार्ड के विभिन्न घरों में घर-घर संपर्क कर

लोगों को स्रोत पर ही कचरा अलग करने के लिए प्रेरित किया। अभियान के दूसरे चरण में वार्ड 7 स्थित शेफाली पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां 'स्वच्छ सारथी क्लब' के बच्चों को सामूहिक स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों को खेल-खेल में चार कूड़ेदानों के माध्यम से कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक मुक्त परिसर और स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। बच्चों से अपने घर और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया गया। नगर पालिका प्रशासन ने नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी कर दादरी को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में सहयोग देने की अपील की।

डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन में 28वां रक्तदान शिविर, 200 से अधिक विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन में बुधवार को 28वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में फाउंडेशन से जुड़े 200 से अधिक विद्यार्थियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए अपना योगदान दिया। शिविर का शुभारंभ फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. डीके मोदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के कुलपति डॉ. पीएन ऋषिकेश ने कहा कि रक्तदान शिविर आयोजित करने का उद्देश्य फाउंडेशन से जुड़े विद्यार्थियों और

सदस्यों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा है और इसके माध्यम से जरूरतमंद लोगों की मदद की जा सकती है। शिविर में विद्यार्थियों एवं सदस्यों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। रक्तदान शिविर का आयोजन एमएमजी जिला अस्पताल, गाजियाबाद की ओर से किया गया। डॉ. विनोद के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम फाउंडेशन पहुंची और चिकित्सकीय देखरेख में विद्यार्थियों एवं सदस्यों से रक्तदान कराया। रक्तदान से पहले आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई और योग्य पाए गए प्रतिभागियों को ही रक्तदान की अनुमति दी गई। शिविर में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों एवं सदस्यों का उत्साहवर्धन किया तथा अन्य विद्यार्थियों को भी भविष्य में रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के रजिस्ट्रार यूएन मिश्रा सहित फाउंडेशन की विभिन्न संस्थाओं से जुड़े शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

गाजियाबाद पावर हिटर्स बनी नोएडा जोन चैंपियन, फाइनल में 14 रन से शानदार जीत

गाजियाबाद (शिखर समाचार) नमो क्रिकेट लीग के नोएडा जोन के फाइनल मुकाबले में गाजियाबाद पावर हिटर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ वेस्ट सुपर किंग को 14 रन से हराकर नोएडा जोन का खिताब अपने नाम कर लिया। 23 सितंबर को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन आखिरकार गाजियाबाद पावर हिटर्स ने बाजी मार ली। नोएडा जोन में करीब 100 टीमों के बीच मुकाबले खेले गए, जिसके बाद गाजियाबाद पावर हिटर्स और नॉर्थ वेस्ट सुपर किंग फाइनल तक पहुंचीं। खिताब जीतने वाली गाजियाबाद पावर हिटर्स की टीम को 31 हजार रुपये नकद, गोल्ड मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं रनरअप नॉर्थ वेस्ट सुपर किंग को 21 हजार रुपये और सिल्वर मेडल दिया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और क्षेत्र के प्रमुख लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में अनिल कसाना, पूर्व ब्लॉक प्रमुख लोनी, ईश्वर मावी, भाजपा नेता, देशराज कसाना, प्रेम सिंह नागर, कालू यादव, मनिल मोगिया, मेघराज बंसल, आशु नागर और अंकुर नागर समेत अन्य लोग उपस्थित रहे और विजेता टीम का उत्साह बढ़ाया।

नमो क्रिकेट लीग के नोएडा जोन के आयोजन की जिम्मेदारी अनुज उप्पल समाज सेवा और अमित कसाना ने संभाली। आयोजकों के मुताबिक नोएडा जोन की विजेता गाजियाबाद पावर हिटर्स अब अगले चरण के मुकाबले के लिए पंचकूला रवाना होगी, जहां अलग-अलग जोन से जीतकर पहुंचने वाली 32 टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगी।

जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नुक्कड़ नाटक

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर स्थित प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में बुधवार को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक धीरेंद्र सिंह शामिल हुए। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री आवास योजना, सौभाग्य योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर उनके उद्देश्यों और लाभों को प्रभावी ढंग से समझाया।

इस अवसर पर विधायक धीरेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार की ओर से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक सुविधाएं और अवसर पहुंचाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं की जानकारी स्वयं प्राप्त करने के साथ अपने परिवार, आसपास के लोगों और आमजन तक भी पहुंचाने में सहयोगी बनें। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं की सराहना करते हुए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से संबंधित प्रश्न भी पूछे। प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्रोत्साहन स्वरूप घड़ियां प्रदान कीं। इससे विद्यार्थियों में उत्साह दिखाई दिया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सामाजिक जागरूकता से जुड़े विषयों को रचनात्मक माध्यम से प्रस्तुत किया और सरकारी योजनाओं के प्रति जानकारी एवं जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया।

दाऊजी मंदिर कबड्डी टूनार्मेंट में राधे वेदा एकेडमी ने मारी बाजी, पांच अंकों से भगवंतपुर को हराया

जेवर (शिखर समाचार)। श्री दाऊजी मंदिर पर चल रहे 10 दिवसीय मेले के दौरान आयोजित पुरुष कबड्डी टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला रोमांचक रहा। पांच दिन तक चले इस टूनार्मेंट में उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों से करीब 65 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला राधे वेदा एकेडमी और भगवंतपुर की टीम के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों ने दमदार रेड और मजबूत पकड़ के जरिए अंक हासिल करने का प्रयास किया, जिससे मैच देखने पहुंचे दर्शकों में उत्साह बना रहा।

निर्णायक मुकाबले में राधे वेदा एकेडमी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए भगवंतपुर की टीम को पांच अंकों के अंतर से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबला देखने के लिए दाऊजी मंदिर स्टेडियम में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए पूरे मुकाबले का आनंद लिया।

टूनार्मेंट के आयोजक नगर पंचायत अध्यक्ष पहलवान नारायण माहेश्वरी

ने विजेता राधे वेदा एकेडमी की टीम को 1 लाख 1 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि और ट्रॉफी प्रदान की। उपविजेता भगवंतपुर की टीम को 71 हजार रुपये और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पहलवान नारायण माहेश्वरी ने घोषणा की कि अगले वर्ष भी कबड्डी टूनार्मेंट का आयोजन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी प्रतियोगिता में विजेता टीम को नकद पुरस्कार राशि के साथ मोटरसाइकिल और ट्रॉफी भी प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में दाऊजी मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओपी शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, हरे कृष्णा शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की प्रिया गोल्ड बिस्कुट कंपनी में सम्पन हुई

नोएडा (शिखर समाचार) कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की प्रिया गोल्ड बिस्कुट कंपनी में सम्पन हुई जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन (एनजीओ) की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरषो को कानून के बारे जानकारी दी और कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी और यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो, स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा।

यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जन्वरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है और मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है '

शुद्धि पत्र या शुद्धि सूचना

कार्यालय ग्राम ततारपुर विकास खंड बिसरख गौतमबुद्धनगर

पत्रांक संख्या... पंत्राक: मीमो / टेण्डर नोटिस/2026-27 दिनांक: 07.09.2026

दिनांक 08-09-2026 के समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार के संबंध में
दिनांक 08-09-2026 के समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार में अनुमानित लागत की राशि के संबंध में टंकणवश त्रुटि हो गई थी।
समाचार में जो राशि 39,34,000 रुपये प्रकाशित हो गई थी, उसके स्थान पर सही राशि 36,19,000 रुपये पढ़ी जाए।
हुई असुविधा के लिए खेद है।

ग्राम प्रशासक/ग्राम प. सचिव
ग्राम पंचायत ततारपुर
बिसरख, गौतमबुद्धनगर

कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की ऐ एस पी एस कंपनी में सम्पन हुई

नोएडा (शिखर समाचार) कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की ऐ एस पी एस कंपनी में सम्पन हुई जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन (एनजीओ) की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरषो को कानून के बारे जानकारी दी और कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के

समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी और यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो, स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जन्वरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है और मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है '

कार्यालय ग्राम पंचायत ऊचां अमीरपुर विकास खण्ड बिसरख, जनपद गौतमबुद्धनगर

पंत्राक: मीमो/टेण्डर नोटिस/2026-27 दिनांक: 22.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत ऊचा अमीरपुर की ओर से वित्तिय वर्ष 2026-27 में अंत्येष्ठि स्थल निमार्ण हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत ऊचा अमीरपुर में कराये जाने वाले निमार्ण कार्य हेतु दिनांक 07.10.2026 तक निविदांए आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक रजिस्टर्ड ठेकेदार जिनकी फर्म आर.ई.डी./ पी.डब्लू.डी/अन्य सरकारी विभागों में पंजीकत हो, नियमानुसार तिथि तक सीलबन्द लिफाफे में कार्य के बिल के अनुसार निविदांए सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत निविदांए उसी दिन 07.10.2026 को निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जाएगी। निविदादाताओं द्वारा निविदा के साथ 100 रुपये का गैर न्यायिक स्टाम्प जिस पर निविदादाता के हस्ताक्षर हो संलग्न करना अनिवार्य है। ग्राम पंचायत को किसी भी निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

क्र० सं०	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	टेण्डर मूल्य	कार्य पूर्ण की अवधि
1.	ग्राम ऊचा अमीरपुर में अंत्येष्ठि स्थल (शमसान) का निमार्ण कार्य	24.70	266.00	2 माह

नियम व शर्तें :-
1. निविदादाता निविदा के साथ पैन न. जी.एस.टी. नं./ कान्टैक्टर पंजीकरण प्रमाण पत्र की छाया प्रति अवश्य रुप से संलग्न करेंगे।
2. समस्त कार्य आर.ई.डी./ पीडब्ल्यूडी विभाग के मानक के अनुसार कराए जाएंगे।
3. निविदादाता कार्य की आवश्यकता आदि की जानकारी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रधान/सचिव से किसी भी कार्य दिवस में निविदा की अंतिम तिथि तक प्राप्त कर सकते हैं।
4. निविदादाताओं से नियमानुसार आयकर / सैस/जी.एस.टी. की कटौती की जाएगी।

ग्राम प्रशासक / ग्राम पं० सचिव
ग्राम पंचायत ऊचा अमीरपुर
बिसरख - गौतमबुद्धनगर

संपादकीय

मतदाता सूची पर उठे सवालों का जवाब पारदर्शिता से ही संभव

भारत में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक के भरोसे की सबसे बड़ी परीक्षा भी हैं। इसलिए मतदाता सूची में किसी नाम का जुड़ना, हटना या किसी मतदाता से उसके नाम और पात्रता के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा जाना सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया भर नहीं माना जा सकता। यही कारण है कि चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर पिछले कुछ समय से चल रहा विवाद अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां राजनीतिक आरोपों से आगे बढ़कर संस्थागत पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो गई है।

23 सितंबर 2026 को सामने आई एक रिपोर्ट ने इस विवाद को नया आयाम दिया है। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में चुनाव आयोग के भीतर मतदाता सूची, नए मतदाताओं को जोड़ने, नाम हटाने, बहाल करने, अपील दाखिल करने और चुनावी आंकड़ों के प्रबंधन से जुड़े विभिन्न निर्णयों पर कम से कम 14 बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराईं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ मामलों में दोनों आयुक्तों ने महत्वपूर्ण निर्णयों के बारे में उन्हें पर्याप्त जानकारी नहीं दिए जाने पर सवाल उठाए। इन खबरों के बाद विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी और उन राज्यों में नए चुनाव की मांग तक कर दी है, जहां एसआईआर के बाद चुनाव हुए। कांग्रेस सहित कई विपक्षी नेताओं ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने, पूरे मामले की जांच कराने और एसआईआर प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग उठाई है। हालांकि इन राजनीतिक आरोपों को आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए, क्योंकि चुनाव आयोग ने इनसे अलग अपना पक्ष सामने रखा है।

चुनाव आयोग का कहना है कि आयोग के भीतर किसी मुद्दे पर अलग-अलग विचार होना संस्थागत विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा है और अंतिम निर्णय पूरे आयोग ने सर्वसम्मति से लिए हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि आधिकारिक आदेशों और प्रशासनिक निदेशों को पूर्ण कानूनी आधार प्राप्त है। इस स्पष्टीकरण का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि विवाद का मूल प्रश्न केवल यह नहीं है कि किसी अधिकारी ने आपत्ति की या नहीं, बल्कि यह है कि आपत्तियों के बाद अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया से हुआ, उसके कारण क्या थे और संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक जांच के लिए किस सीमा तक उपलब्ध हैं।

इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय की कार्यवाही ने भी चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और नियुक्ति व्यवस्था को बहस के केंद्र में ला दिया है। बुधवार को न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित 2023 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष भेजे जाने का रास्ता साफ किया। इस कानून की उस व्यवस्था को चुनौती दी गई है जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाली समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश के स्थान पर केंद्र सरकार की ओर से एक मंत्री शामिल होता है। न्यायालय की यह कार्यवाही इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव आयोग की संस्थागत स्वतंत्रता पर लंबे समय से संवैधानिक और सार्वजनिक बहस चलती रही है।

एसआईआर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने मतदाताओं की व्यावहारिक कठिनाइयों पर भी सवाल उठाए हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

समाज में चाटुकारिता एक प्रकार का नैतिक प्रदूषण है।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

जानिए कब से शुरू हो रहा है पितृ पक्ष, क्या होंगी श्राद्ध की तिथियां

ज्योतिष आचार्य एवं वास्तु सलाहकार प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा लुधियाने वाले से जानिए पितृ पक्ष का महत्व और श्राद्ध की संपूर्ण तिथियां

हिन्दू पंचांग के अनुसार, पितृ पक्ष की शुरूआत हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में होती है और इसका अंत आश्विन अमावस्या पर होता है। हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व होता है। यह 16 दिन की अवधि होती है, जिसमें पितरों का तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष की सोलह दिन की अवधि के दौरान पितरों का धरती पर आगमन होता है। ऐसे में उनका तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, पितृ पक्ष की शुरूआत हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में होती है और इसका अंत आश्विन अमावस्या से होता है।

इस साल पितृ पक्ष कब से शुरू हो रहा है

इस वर्ष 2026 में पितृ पक्ष का प्रारंभ 26 सितम्बर 2026, शनिवार को पूर्णिमा श्राद्ध से हो रहा है और इसका समापन 10 अक्टूबर 2026, शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या पर होगा।

2026 की श्राद्ध तिथियों का विवरण

26 सितम्बर, शनिवार – पूर्णिमा श्राद्धः जिन पितरों का देहांत पूर्णिमा तिथि को हुआ हो।

27 सितम्बर – प्रतिपदा श्राद्ध

28 सितम्बर – द्वितीया श्राद्ध

29 सितम्बर – तृतीया एवं महाभरणी श्राद्धः यह तिथि अत्यंत फलदायी मानी जाती है। भरणी नक्षत्र में किया गया श्राद्ध गया श्राद्ध के समान फल देता है।

30 सितम्बर – चतुर्थी एवं पंचमी श्राद्धः इस दिन दो तिथियों का संगम है। दोपहर 2:53 तक चतुर्थी, उसके बाद पंचमी। जिनकी तिथि याद न हो वे पंचमी को श्राद्ध कर सकते हैं।

1 अक्टूबर – षष्ठी श्राद्ध

2 अक्टूबर – सप्तमी श्राद्ध

3 अक्टूबर – अष्टमी श्राद्ध

4 अक्टूबर – नवमी श्राद्धः इसे मातृ नवमी भी कहते हैं। इस दिन विवाहित महिलाओं के श्राद्ध का विशेष महत्व है।

5 अक्टूबर – दशमी श्राद्ध

6 अक्टूबर – एकादशी श्राद्ध

7 अक्टूबर – द्वादशी एवं मघा श्राद्धः मघा नक्षत्र पितरों का सबसे प्रिय नक्षत्र है। इस दिन श्राद्ध करने से पितर शीघ्र प्रसन्न होते हैं।

8 अक्टूबर – त्रयोदशी श्राद्ध

9 अक्टूबर – चतुर्दशी श्राद्धः यह तिथि केवल शस्त्र, विष, दुर्घटना से मृत लोगों के लिए होती है।

10 अक्टूबर – सर्वपितृ अमावस्याः यह पितृ पक्ष का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। यदि किसी कारणवश आप अपनी तिथि पर श्राद्ध न कर पाए हों, तो इस दिन सभी पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है।

श्राद्ध के समय क्या करें

1. दोपहर के समय (कुतुप मुहूर्त में) पितरों के नाम से जल में तिल मिलाकर तर्पण करें।
2. ब्राह्मण भोजन और गौ ग्रास अवश्य निकालें।
3. इस दौरान पवित्रता का विशेष ध्यान रखें।

पितृ मंत्र

श्राद्ध के समय इस मंत्र का जाप करें–

ॐ पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः।
ॐ पितृ देवताभ्यो नमः॥

ज्योतिष आचार्य एवं वास्तु सलाहकार प्रोफेसर बख्शीश सिंह बावा का कहना है कि श्रद्धा से किया गया एक लोटा जल भी पितरों तक अवश्य पहुंचता है। पितरों का आशीर्वाद सदा आपके और आपके परिवार पर बना रहे।

बेटियों की उड़ान ने बदली सफलता की परिभाषा

- खेल के मैदान से नेतृत्व की कुर्सी तक महिलाओं का बढ़ता प्रभाव
- आत्मविश्वास और संघर्ष से महिलाएं लिख रही हैं नई कामयाबी की कहानी

कांतिलाल मांडोत

नागोया में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत ने भारतीय महिला क्रिकेट की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ दिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 79 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 48 और ऋचा घोष ने 49 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 69 रन पर सिमट गई। दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए, जबकि शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लेकर भारत की जीत सुनिश्चित की। यह जीत केवल एक क्रिकेट मुकाबले की सफलता नहीं है, बल्कि उन बेटियों की मेहनत और क्षमता का प्रमाण है, जिन्होंने खेल के मैदान में अपनी पहचान मजबूत की है।

भारतीय महिला टीम की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बेटियों के प्रति समाज की सोच में आए बदलाव को समझा जा सकता है। कभी महिलाओं को कमजोर समझकर उनके अवसर सीमित कर दिए जाते थे, लेकिन आज वही महिलाएं देश के लिए पदक जीत रही हैं, रिकॉर्ड बना रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं। क्रिकेट के मैदान पर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला खिलाड़ी यह साबित कर रही हैं कि नेतृत्व किसी एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है। अनुशासन, प्रतिभा, मेहनत और जिम्मेदारी के आधार पर महिलाएं हर चुनौती का सामना कर सकती हैं।

महिलाओं की प्रगति केवल खेल तक सीमित नहीं है। शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, सेना, न्यायपालिका, उद्योग, राजनीति, कला, तकनीक और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। देश की अनेक महिलाएं बड़ी कंपनियों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद तक पहुंचकर संस्थानों का नेतृत्व कर रही हैं। वे हजारों कर्मचारियों के कामकाज, करोड़ों रुपये के कारोबार और बड़े निर्णयों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह बदलाव बताता है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन कर सकती हैं।

महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके साथ जिम्मेदारी का भाव भी दिखाई देता है। परिवार संभालने से लेकर पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेने तक महिलाएं अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं। यही अनुभव उन्हें परिस्थितियों को समझने, धैर्य के साथ निर्णय लेने और कठिन समय में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। क्रिकेट की पिच पर दबाव के बीच निर्णय लेने वाली खिलाड़ी हो या किसी बड़े संस्थान की जिम्मेदारी संभालने वाली अधिकारी, दोनों ही उदाहरण बताते हैं कि महिलाओं ने जवाबदेही को अपनी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बनाया है।

आज बेटियां केवल अपने लिए आगे नहीं बढ़ रही हैं, बल्कि उनके कदमों से समाज की दूसरी बेटियों के लिए रास्ते खुल रहे हैं। किसी छोटे शहर या गांव की लड़की जब किसी महिला खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करते देखती है तो उसके भीतर भी आगे बढ़ने का विश्वास पैदा होता है। जब कोई महिला चिकित्सक, इंजीनियर, अधिकारी, वैज्ञानिक या कंपनी की प्रमुख बनती है तो दूसरी महिलाओं को यह संदेश मिलता है कि सीमाएं जन्म से तय नहीं होतीं। मेहनत, शिक्षा और अवसर के माध्यम से उन्हें बदला जा सकता है। महिलाओं की सफलता का असर परिवार और समाज दोनों पर पड़ता है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला अपने परिवार के निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाती है और अगली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा तथा संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान करती है। आर्थिक रूप से सक्षम महिला परिवार की मजबूती बढ़ाती है। वहीं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाएं समाज की समस्याओं को नए दृष्टिकोण से सामने लाती हैं। इस प्रकार एक महिला की सफलता का प्रभाव केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके आसपास की अनेक महिलाओं के जीवन को प्रभावित करता है। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस परिवर्तन का स्पष्ट उदाहरण है। क्रिकेट, कुश्ती, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स और अन्य खेलों में भारतीय बेटियों ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर यह साबित किया है कि प्रतिभा अवसर की तलाश करती है और अवसर मिलने पर परिणाम सामने आता है। महिला खिलाड़ियों की सफलता ने अभिभावकों की सोच भी बदली है। अब बेटियों को केवल पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें खेल और करियर के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिलाओं की प्रगति का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्मनिर्भरता भी है। आज बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं का कारोबार शुरू कर रही हैं, रोजगार दे रही हैं और आर्थिक गतिविधियों में योगदान कर रही हैं। गांवों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे व्यवसाय चला रही हैं, जबकि शहरों में महिलाएं नई कंपनियां स्थापित कर रही हैं। तकनीक ने भी महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है। घर से काम करने, ऑनलाइन कारोबार और डिजिटल माध्यमों ने अनेक महिलाओं को अपनी प्रतिभा को आय के साधन में बदलने का अवसर दिया है। हालांकि महिलाओं की उपलब्धियों को केवल पुरस्कारों और पदकों से नहीं मापा जा सकता। असली सफलता तब होगी जब हर बेटी को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और अपनी पसंद का क्षेत्र चुनने की स्वतंत्रता मिले। परिवारों और समाज को बेटियों की प्रतिभा पर भरोसा करना होगा। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देना होगा और असफलता के डर से रोकने के बजाय संघर्ष से सीखने का अवसर देना होगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत इसी बदलती तस्वीर का प्रतीक है। मैदान पर बल्ले और गेंद से इतिहास रचने वाली बेटियां समाज को यह संदेश दे रही हैं कि महिलाओं की क्षमता को सीमित नजर से देखने का समय पीछे छूट चुका है। आज महिला केवल किसी की बेटी, बहन, पत्नी या मां की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह स्वयं अपनी अलग पहचान बना रही है। वह नेतृत्व कर रही है, निर्णय ले रही है, जिम्मेदारी उठा रही है और सफलता के नए मानक स्थापित कर रही है। महिलाओं की यह यात्रा अभी जारी है। आज की सफल खिलाड़ी, अधिकारी, वैज्ञानिक, चिकित्सक, उद्यमी और कंपनी प्रमुख आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। एक बेटी की सफलता दूसरी बेटी के सपनों को मजबूत करती है। यही बदलाव समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बेटियां आगे बढ़ेंगी तो परिवार आगे बढ़ेगा, परिवार आगे बढ़ेगा तो समाज मजबूत होगा और समाज मजबूत होगा तो देश की प्रगति को नई गति मिलेगी। महिला अबला नहीं, बल्कि अपने आत्मविश्वास, प्रतिभा और मेहनत के बल पर सफलता की अग्रिम पंक्ति में खड़ी सबला शक्ति है।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है।

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दशार्ती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रेल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रेल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, ट्रूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है। अमेरिकी नीतियों से केवल विश्व के अन्य देश ही नहीं बल्कि अमेरिकी कम्पनियां भी परेशानी महसूस करने लगी हैं एवं वे अपनी इकाईयों को भारत सहित अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं।

भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने सम्बंधों को सुधारने का लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर नागरिकों को सनातन संस्कृति के संस्कारों से परिचित कराने के प्रयास भी भारत द्वारा किए जा रहे हैं ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक डॉ मोहन भागवत जी ने हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा सम्पन्न की है। इन देशों में आयोजित सर्व धर्म सभाओं में अन्य धर्मों के धमार्चार्यों की भी उत्साहपूर्वक भागीदारी रही है। उक्त यात्रा में न्यूयार्क में सार्वभौमिक एकात्मता, टोरंटो में विश्व से मित्रता एवं लंदन में अपनेपन के संदेश के साथ डा भागवत ने सामाजिक समरसता, सेवा, विविधता के बीच एकता और नागरिक कर्तव्य पर भी जोर दिया। प्रवासी भारतीयों से उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी निष्ठा निभाने का आह्वान किया। एक तरफ भारत पूरे विश्व में सामंजस्य स्थापित कर शांति स्थापित करना चाहता है तो दूसरी ओर अमेरिका विभिन्न देशों पर अपने एकतरफा नियम थोपना चाहता है, चाहे वह टैरिफ से सम्बंधित हों अथवा अन्य देशों पर सैंक्शन लगाने से सम्बंधित हों। वेनेंजुएल जैसे कुछ छोटे देशों पर तो अमेरिका ने एक तरह से अपना पूरा नियंत्रण ही स्थापित कर लिया है एवं वहां के तेल के कुओं से निकलने वाले कच्चे तेल पर अपना पूर्ण अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया है।

केवल अमेरिका ही क्यों, पूरे विश्व को ही आज भारत की सनातन संस्कृति के संस्कारों को जानने एवं उन पर अमल करने की आवश्यकता है। तभी, ईरान - अमेरिका, रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास जैसे युद्धों को टाला जा सकेगा और पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकेगी।

(प्रहलाद सबनानी, सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)
~~~~~~~~~

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

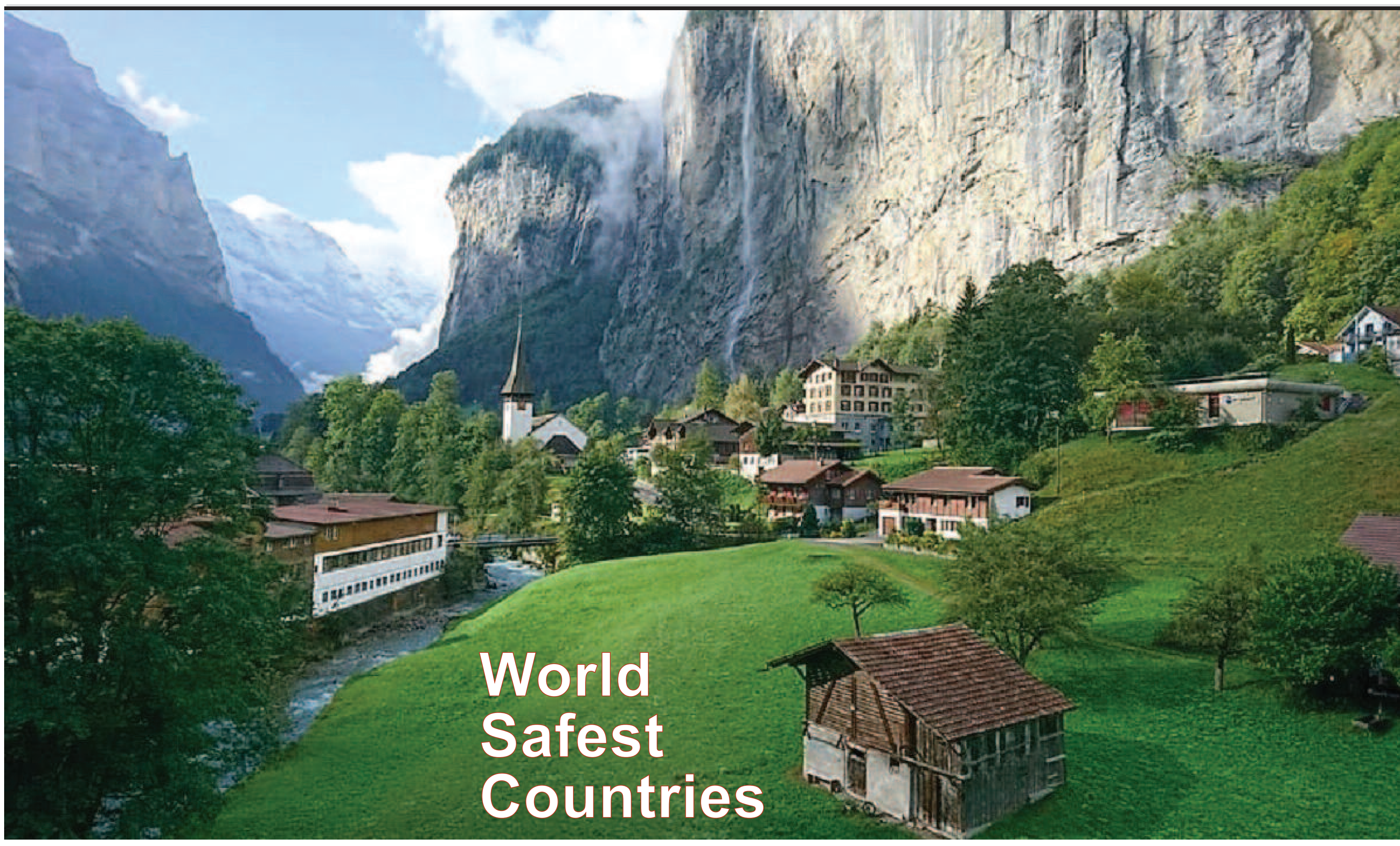

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्विक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

सिगरेट के शौकीनों को कश लगाना पड़ेगा मंहगा.....गोल्ड फ्लेक सिगरेट हुई महंगी

मुंबई।

देश की सबसे बड़ी सिगरेट निर्माता कंपनी आईटीसी ने अपने मशहूर ब्रांड गोल्ड फ्लेक सिगरेट की कीमतों में फिर बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि गोल्ड फ्लेक प्रीमियम और इसके संबंधित वेरिएंट्स पर लागू हुई है, इससे अब 10 और 20 सिगरेट वाले पैकेट महंगे हुए हैं। दाम बढ़ने के बाद, 10 सिगरेट के पैक की कीमत 115 से बढ़कर 135 रुपए हो गई है। कंपनी ने इस साल गोल्ड फ्लेक प्रीमियम के दाम में 17.4 प्रतिशत का इजाफा किया है। यानी, अब सिगरेट के शौकीनों को कश लगाने के लिए पहले से अधिक कीमत चुकानी होगी और उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

28 से 30 तक राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल, 25 सितंबर तक निपटा लें सभी जरूरी काम

-26 को शनिवार, 27 को रविवार बंद, पांच दिनों तक बैंक का काम रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली।

अगर बैंक से जुड़ा आपका कोई जरूरी काम बाकी है, तो उसे जल्द से जल्द निपटा लेना आपके लिए बेहतर होगा। पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे 28 से 30 सितंबर के बीच प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए 25 सितंबर तक अपनी शाखा से जुड़े सभी जरूरी काम पूरे कर लें। बैंक ने अपने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि हड़ताल से शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

यह हड़ताल 28 से 30 सितंबर तक है, लेकिन इससे पहले 26 सितंबर को चौथा शनिवार और 27 सितंबर को रविवार है। इसका मतलब है कि लगातार पांच दिनों तक बैंक शाखाओं में काम प्रभावित हो सकता है। ऐसे में बैंक के काम अंतिम समय तक न टालें। हड़ताल के दौरान शाखाओं पर कामकाज प्रभावित होने की स्थिति में ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि पीएनबी ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एटीएम, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध रखने की पूरी कोशिश की जाएगी।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर पहुंच गया है। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में भी तेजी रही और ये 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गयी है। प्राप्त जानकारों के अनुसार, सोने की कीमतों में इसह तेजी का कारण पिछले कुछ दिनों से इसमें लगातार हो रही बढ़त है। एमसीएक्स पर बीते कारोबारी सत्र में सोना 696 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,716 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को सुबह बाजार खुलते ही सोने में करीब 80 रुपये की तेजी दिखी और यह सिलसिला जारी रहा। सुबह 10.50 बजे तक सोने का वायदा भाव 74 रुपये की बढ़कर 1,52,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यह कीमत 24 कैरेट यानी 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने के लिए है, जो निवेशकों और खरीदारों के लिए एक महत्वपूर्ण मानक होता है।

इसके अलावा चांदी में भी काफी तेजी दर्ज की गयी। सोने की तुलना में चांदी में तो एक हजार रुपये के आसपास का उछाल दिख रहा है। आज सुबह चांदी के वायदा भाव में 900 रुपये से भी अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। सुबह 10.50 बजे तक यह उछाल थोड़ा कम होकर 729 रुपये पर आ गया। इसके बाद एमसीएक्स पर चांदी 2,40,642 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

जानकारों का कहना है कि आने वाले त्यौहारी सीजन को देखते हुए कीमतों में और तेजी आ सकती है। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के चलते आने वाले समय में भी इन कीमती धातुओं के दाम ऊपर बने रह सकते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 299, निफ्टी 117 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इससे जिससे निवेशकों ने राहत की सांस ली है। बाजार में लौटी रौनक के पीछे वैश्विक स्तर पर उभरते सकारात्मक संकेतों के साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में आई स्थिरता को भी माना जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा बातचीत शुरू होने की उम्मीदों ने भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने की संभावना जताई। इन अनुकूल घटनाक्रमों ने घरेलू निवेशकों की धारणा को मजबूत किया और खरीदारी का माहौल बना, जिसके चलते बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक शानदार बढ़त के साथ बंद हुए।इस सकारात्मक रुख के चलते, कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 299.17 अंकों की शानदार बढ़त के साथ ही 74,828.25 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बेंचमार्क निफ्टी भी 117.80 अंक उछलकर 23,446.80 के स्तर पर बंद हुआ। ।बड़े शेयरों के साथ-साथ, मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 50 सूचकांक भी 101 अंकों की प्रभावशाली बढ़त के साथ 17,979.65 अंक पर बंद हुआ। यह दिखाता है कि निवेशकों की रुचि केवल बड़े शेयरों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि मझोले आकार की कंपनियों में भी वह निवेश कर रहे थे। शीर्ष लाभ कमाने वाले शेयरों में सेल (6.57 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा, जिसके बाद पीबी फिनटेक ने 4.23 फीसदी और 360 वन वाम ने 3.86 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। इन कंपनियों के शेयरों में आई उछाल ने संबंधित क्षेत्रों में सकारात्मक भावनाओं को बल दिया। इसके अलावा, बंधन बैंक के शेयरों में 3.62 फीसदी और मोतीलाल ओसवाल में 3.53 फीसदी की तेजी रही। निवेशकों का ध्यान खींचा।हालांकि, एक मजबूत दिन के बावजूद, कुछ शेयर दबाव में रहे और लाल निशान पर बंद हुए। शीर्ष गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में आइनॉक्स विंड 3.70 फीसदी, एथर एनर्जी 2.88 फीसदी और परसिस्टेंट 2.35 फीसदी की गिरावट के साथ शामिल थे। इसके अतिरिक्त, वन 97 पेटीएम और स्विगी में भी क्रमशः 2.17 फीसदी और 1.95 फीसदी की कमी आई। इन शेयरों में गिरावट के पीछे कंपनी-विशिष्ट कारण या निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली हो सकती है, जो बाजार की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स लगभग 200 अंकों की बढ़त के साथ खुला, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी में भी तेजी रही।

चाहकर भी कोई सरकार कृषि उत्पादों की कीमतें तय नहीं कर सकती

चीनी की कीमतों में उतार-चढ़ाव को लेकर गडकरी ने साफ कर दिया

नई दिल्ली।

देश में चीनी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और चीनी उद्योग द्वारा मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ाने की मांग के बीच केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार चीनी या अन्य कृषि उत्पादों के दाम तय नहीं कर सकती। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हम एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में हैं, जहां चाहकर भी कोई सरकार कृषि उत्पादों की कीमतें तय नहीं कर सकती। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि चीनी के दाम ब्राजील, मक्के के दाम अमेरिका और पाम ऑयल की कीमतें मलेशिया में तय होती हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए किसानों के लिए ऐसी मांगों को उठाना आसान होता है, लेकिन सत्ता में रहने पर इन्हें व्यावहारिक रूप से लागू करने में कठिनाइयां होती हैं। वैश्विक बाजार का गणित समझाते हुए उन्होंने बताया कि ब्राजील में 2,000 से 3,000 एकड़ के बड़े फार्म हैं और वहां आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल होता है। इस वजह से ब्राजील में चीनी बनाने की लागत महज 23 रुपए प्रति किलो आती है, जबकि भारत में यह लागत 33 से 34 रुपए प्रति किलो पड़ती है। ब्राजील में अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होते ही भारत में कीमतें अपने आप गिर जाती हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने चीनी उद्योग और किसानों को केवल चीनी बिक्री पर निर्भर न रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए गन्ने के अन्य सह-उत्पादों का इस्तेमाल करना जरूरी है।

दिल्ली में अब बिना वैध सर्टिफिकेट वाहन में नहीं भरी जाएगी सीएनजी

सुरक्षा के मद्देनजर आईजीएल ने शुरू किया वेरिफिकेशन सिस्टम

नई दिल्ली।

दिल्ली में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कई सीएनजी स्टेशनों पर एक ऑटोमेटेड व्हीकल वेरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया है, जिसके बाद अब बिना ज्यादा जांच के सीएनजी भरवाना मुश्किल हो सकता है। यह नया सिस्टम तय करेगा कि आपकी गाड़ी में सीएनजी तभी भरी जाए जब आपके सीएनजी सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट सर्टिफिकेट वैध हो। इस नए सिस्टम के तहत जब कोई वाहन चालक सीएनजी भरवाने पंप पर जाएगा, तो पहले की तरह सीधे सीएनजी नहीं भरी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक सीएनजी स्टेशन पर लगे कैमरे गाड़ी की नंबर प्लेट स्कैन करेंगे और सिस्टम सीएनजी सिलेंडर से जुड़ी जानकारी की जांच करेगा। यदि सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट सर्टिफिकेट वैध नहीं पाया जाता है, तो वाहन चालक की गाड़ी में सीएनजी नहीं भरी जाएगी। आईजीएल ने फिलहाल 10 स्टेशनों पर यह ऑटोमेटेड व्हीकल वेरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य गैस लीकेज और ब्लास्ट जैसे खतरों को रोकना और सुरक्षा तय करना है। इसलिए, सीएनजी गाड़ी चलाने वालों को यह तय करना होगा कि वे अपने सीएनजी सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट समय पर करवाएं और उसका सर्टिफिकेट हमेशा वैध रखें। यह आपके और आपकी गाड़ी की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक सीएनजी भरवाने जाने से पहले अपने सिलेंडर के सर्टिफिकेट की वैलिडिटी जांच लेना समझदारी होगी, ताकि आपको कोई परेशानी न हो। एआई सिस्टम की मदद से गाड़ी की जानकारी को सीएनजी सिलेंडर के रिकॉर्ड से मिलाया जाएगा और पीईएसओ के ऑनलाइन पोर्टल से सिलेंडर का सर्टिफिकेट वैध है या नहीं, यह देखा जाएगा।

स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेशन जरूरी

भारत में ऐसे प्रोडक्ट बेचने से पहले कंपनियों को लेनी होगी रेगुलेटरी मंजूरी

नई दिल्ली।

सरकार ने स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेशन जरूरी कर दिया है। इसके तहत भारत में ऐसे प्रोडक्ट बेचने से पहले कंपनियों को रेगुलेटरी मंजूरी लेनी होगी। इस कदम से खराब क्वालिटी वाले स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर की बिक्री पर रोक लगने और ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम जैसी घरेलू कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिन्होंने भारत में प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। 21 सितंबर को जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी गुड्स ऑर्डर, 2021 के नियम उन सामानों या चीजों पर लागू होंगे जो स्मार्टफोन के लिए स्क्रीन प्रोटेक्टर में बताए गए हैं।

इस नोटिफिकेशन के ज़रिए इन्हें ऑर्डर की लिस्ट में जोड़ा गया है, ताकि ये कॉलम 3 में बताए गए संबंधित भारतीय स्टैंडर्ड के अनुरूप हों। यह नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा।

स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर इस नियम के तहत नोटिफाई की जाने वाली 66वीं चीज है। इस लिस्ट में शामिल अन्य चीज़ों में स्मार्टफोन, लैपटॉप, मोबाइल और लैपटॉप चार्जर, एलईडी टेलीविज़न, माइक्रोवेव ओवन, प्रिंटर और सेट-टॉप बॉक्स वगैरह शामिल हैं। स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए जरूरी बीआईएस स्टैंडर्ड लागू करना इस कैटेगरी के लिए एक अहम पड़ाव है और यह क्वालिटी पर आधारित मेड-इन-इंडिया इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

ऑप्टिमस ने नोएडा में एक प्रोडक्शन यूनिट लगाई है, जहां अमेरिकी मटीरियल टेक्नोलॉजी कंपनी कॉर्निंग की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर बनाए जाएंगे। कंपनी को उम्मीद है कि जनवरी 2027 से इनकी शिपिंग शुरू हो जाएगी।

कंपनी को चालू वित्त वर्ष में अपने टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर बिज़नेस से 1,800-2,000 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलने की उम्मीद है। मोबाइल डिवाइस बनाने वाली कंपनियों के संगठन आईसीईए के चेयरमैन ने कहा कि 1 अप्रैल 2027 से जरूरी बीआईएस सर्टिफिकेशन लागू होने से ग्राहकों को घटिया क्वालिटी वाले प्रोडक्ट से सुरक्षा मिलेगी और साथ ही घरेलू मैन्युफैक्चरर्स और ग्लोबल कंपनियों के लिए समान अवसर तैयार होगा।उन्होंने कहा कि सालाना 50 करोड़ से ज्यादा यूनिट के मार्केट के साथ यह कदम 12,000-16,000 करोड़ रुपए की क्वालिटी-बेस्ड इंडस्ट्री को बढ़ावा देगा।

करीब 60,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेगा और जीएसटी रेवेन्यू में अनुमानित 2,000 करोड़ रुपए का योगदान देगा।

इससे स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के तौर पर भारत की क्षमता भी मजबूत होगी। अनुमान है कि 2025 में टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर का घरेलू मार्केट 40 करोड़ पीस का होगा, जिसकी रिटेल वैल्यू 20,000 करोड़ होगी।

सितंबर में भारतीय अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार:पीएमआई 3 माह के शीर्ष स्तर पर पहुंचा

मुंबई।

सितंबर में भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियां तीन महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था में नई गति का संकेत है। बुधवार को जारी एचएसबीसी फ्लैश परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सर्वे के अनुसार, यह इंडेक्स अगस्त के 54.3 से बढ़कर 56.5 हो गया है। यह लगातार 62वां महीना है जब पीएमआई 50 के विस्तार निशान से ऊपर बना हुआ है, जो आर्थिक वृद्धि का सूचक है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस, दोनों सेक्टर में उत्पादन में सुधार ने उछाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सर्वे में बताया गया कि सितंबर के दौरान भारत के निजी क्षेत्र की कंपनियों में कुल नए व्यवसाय में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई, खासकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जहां मांग में सबसे अधिक सुधार देखा गया। सर्विस सेक्टर में भी प्रॉपर्टी, ट्रांसपोर्ट, ट्रैवल, सॉफ्टवेयर और डिजिटल सॉल्यूशंस जैसी सेवाओं की मांग बढ़ी। सामान बनाने वाली कंपनियों ने एल्युमीनियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाने-पीने की चीजों, दवाओं और नए प्रोडक्ट मॉडल की मांग में तेजी देखी। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त के 52.8 से बढ़कर सितंबर में 55.7 हो गया, जबकि फ्लैश इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स 54.1 से बढ़कर 55.8 पर पहुंच गया। बढ़ते उत्पादन और नए ऑर्डरों के कारण कुल रोजगार में भी बढ़ोतरी हुई, जो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस दोनों क्षेत्रों में करीब समान रही। इस सकारात्मक माहौल के बीच, निजी क्षेत्र में इनपुट लागत की वृद्धि दर जनवरी के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गई, सर्विस कंपनियों के लिए लागत दबाव में कमी ने मैन्युफैक्चरर्स की लागत वृद्धि के प्रभाव को संतुलित किया। सितंबर में कंपोजिट स्तर पर बिक्री कीमतों में बढ़ोतरी करीब वैसी ही रही, हालांकि फैक्ट्री गेट चार्जेस में तेजी देखी गई। एचएसबीसी की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बताया, इनपुट की खरीद में तेजी आई है और तैयार माल के स्टॉक का इंडेक्स अब साढ़े 11 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है, जो भविष्य की मांग के प्रति विश्वास को दिखाता है। मैन्युफैक्चरर्स के लिए कीमतों का दबाव बढ़ा है और आउटपुट की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने बताया कि कंपनियां मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण अनिश्चितताओं से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय बना रही हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.74 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया तेजी के साथ खुला। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले पांच पैसे बढ़कर 95.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट और एशियाई मुद्राओं में व्यापक सुधार से भी रुपए को बल मिला है। वहीं विदेशी मुद्रा बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और भू-राजनीतिक घटनाक्रम आगे चलकर मुद्रा बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है। इससे आयात बिल का दबाव कम होता है। इसी दौरान अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद डॉलर में लगातार मजबूती और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भारतीय इक्विटी बाजार से लगातार बिकवाली से भी रुपये की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं।आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपया 95.58 प्रति डॉलर पर खुला। दिन के कारोबार में यह 95.57 के स्तर तक पहुंचा, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। गौरतलब है कि मंगलवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

अगस्त में घरेलू हवाई यातायात घटा, स्पाइसजेट और इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी में कमी

मुंबई।

भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात ने अगस्त महीने में सालाना आधार पर 6.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जिससे कुल 1.21 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों में जानकारी सामने आई है, जो विमानन उद्योग के लिए एक मिश्रित तस्वीर दिखाती है। इस अवधि के दौरान, कुछ प्रमुख एयरलाइंस की बाजार हिस्सेदारी में महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दिए।

परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही स्पाइसजेट की हिस्सेदारी जुलाई के 1.6 से घटकर अगस्त में मात्र 1.2 प्रतिशत रह गई, जो उसकी मुश्किलों को दिखाती है। वहीं, प्रमुख वाहक इंडिगो को भी अपनी हिस्सेदारी में गिरावट का सामना करना पड़ा, जो जुलाई के 67.4 प्रतिशत से घटकर बीते महीने 65 प्रतिशत हो गई। हालांकि, इंडिगो अभी भी घरेलू विमानन बाजार में अग्रणी बनी हुई है। इसके विपरीत, एयर इंडिया ने अपनी स्थिति मजबूत की, उसकी हिस्सेदारी जुलाई के 24 से बढ़कर अगस्त में 26.7 प्रतिशत हो गई। अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

अगस्त में इंडिगो ने 78.87 लाख यात्रियों के साथ शीर्ष स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एयर इंडिया समूह रहा, जिसने 32.32 लाख यात्रियों को सेवा दी, जबकि अकासा एयर ने 6.68 लाख यात्रियों के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा। स्पाइसजेट ने महीने के दौरान 1.40 लाख यात्रियों को यात्रा कराई। आंकड़ों के अनुसार, ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) के मामले में, इंडिगो 91 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद अकासा एयर 90.5 प्रतिशत और एयर इंडिया समूह 83.9 प्रतिशत के साथ रहा।

इस बीच, नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने हाल ही में कहा कि डीजीसीए स्पाइसजेट के वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन पर करीब से नजर रख रहा है।

भारत की बेटियां बना रही हैं आईफोन:उत्पादन में 80 प्रतिशत महिला कर्मचारी

मुंबई।

आज दुनिया भर में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ी है, लेकिन भारत ने इस मामले में एक नया कीर्तिमान बनाया है, खासकर आईफोन जैसे वैश्विक उत्पाद के निर्माण के क्षेत्र में। देश में आईफोन बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक फॉक्सकॉन में 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी भारत की बेटियां हैं, जो स्मार्टफोन के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं। यह आंकड़ा भारतीय कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती शक्ति और उनके योगदान को दिखाता है।

यह स्थिति फॉक्सकॉन के तमिलनाडु स्थित प्लांट में विशेष रूप से देखने को मिलती है, जहां 2024 के आंकड़ों के अनुसार कुल 41,281 कर्मचारियों में से 33,360 महिलाएं हैं। इस तरह, बेंगलुरु के देवनहल्ली में स्थित फॉक्सकॉन के एक अन्य प्लांट में बीते साल तक कार्यरत करीब 30,000 लोगों में से 80 प्रतिशत यानी करीब 24,000 महिलाएं थीं। यह आंकड़ा न केवल कंपनियों के भीतर महिलाओं की मजबूत उपस्थिति को दिखाता है, बल्कि उनके लिए रोजगार के व्यापक अवसरों का भी संकेत देता है।यह सिर्फ फॉक्सकॉन तक सीमित नहीं है। भारत में एप्पल के पूरे इकोसिस्टम की बात करें, जिसमें फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं, करीब 1.40 लाख नई नौकरियां पैदा हुई हैं।

आरबीआई का बड़ा फैसला: हड़ताल के बीच रविवार को बैंक ओपन

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महत्वपूर्ण कदम उठाकर आगामी रविवार, 27 सितंबर को भी बैंक शाखाएं, कार्यालय, एटीएम लिंक्ड ब्रांच और करेंसी चेस्ट खोलने की अनुमति दे दी है। यह फैसला ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखकर लिया गया है, ताकि उन्हें संभावित लंबी बैंकिंग बाधा का सामना न करना पड़े।

दरअसल, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का ऐलान किया है। इसके पहले, 26 सितंबर को शनिवार और 27 सितंबर को रविवार की साप्ताहिक छुट्टी थी। यदि रविवार को भी बैंक बंद होते, तब आम ग्राहकों को लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सेवाओं से वंचित रहना पड़ता, इससे नकदी संकट और अन्य महत्वपूर्ण लेनदेन में भारी परेशानी आ सकती थी।

इसी संभावित कठिनाई को देखकर आरबीआई ने यह आपातकालीन निर्णय लिया है। आरबीआई ने इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) को लिखे अपने पत्र में साफ किया है कि जनता की वास्तविक बैंकिंग जरूरतों पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ना चाहिए। बैंकों को कानूनी प्रावधानों का पालन करते हुए सुनिश्चित करने को कहा गया है कि 27 सितंबर को उनकी शाखाएं और करेंसी चेस्ट पूरी तरह से चालू रहें।

निजी क्षेत्र और विदेशी बैंकों के करेंसी चेस्ट की सूची भी अलग से भेजी गई है, ताकि सभी आवश्यक सेवाएं सुचारु रूप से चल सकें।

बैंक ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे नकदी निकालना, जमा करना या अन्य महत्वपूर्ण लेनदेन जैसे अपने जरूरी काम 27 सितंबर को ही निपटा लें। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इसके बाद तीन दिनों तक बैंकों में सामान्य कामकाज प्रभावित हो सकता है, जिससे अगले कई दिनों तक वित्तीय लेन-देन में रुकावट आने की आशंका है। यह कदम ग्राहकों को आगामी हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा से बचाने के लिए उठाया गया है।

चीनी के खुदरा दामों में 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट

लोगों को मिली राहत, बढ़ते भावों ने आम जनता की बढ़ा दी थी चिंता

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में चीनी के बढ़ते भावों ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी थी, क्योंकि इस दौरान मिठाईयों और अन्य पकवानों में चीनी की खपत ज्यादा होती है। अब लगता है कि स्थिति नियंत्रण में आ रही है, क्योंकि चीनी के दामों में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में चीनी की खुदरा कीमत में कमी आई है। चीनी मंडी के आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त से 21 सितंबर के बीच खुदरा चीनी के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली, कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में खुदरा चीनी के भाव में 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट देखी गई है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है।यह गिरावट केवल खुदरा बाजार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चीनी के थोक भाव में भी काफी कमी आई है। इसी अवधि के दौरान अलग-अलग शहरों में थोक कीमत 1,600 रुपए प्रति क्विंटल से 2,000 रुपए प्रति क्विंटल तक कम हुई हैं। यह थोक गिरावट सीधे तौर पर खुदरा कीमतों को प्रभावित करती है, जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होता है। सरकार ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि चीनी की बढ़ती कीमतों से अब थोड़ी राहत मिली है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में खुदरा चीनी की कीमतें करीब 65 रुपए प्रति किलो थीं, जो अब घटकर करीब 58.50 रुपए प्रति किलो रह गई हैं। इसके अलावा, एक्स-मिल कीमतों में भी करीब 25फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। जब खुदरा और थोक दोनों कीमतों में कमी आई है, तो यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले कुछ दिनों में जनता तक पहुंचने वाली चीनी की अंतिम कीमतों में भी और गिरावट देखने को मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

रोशिबिना देवी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एशियन गेम्स में लगातार तीसरा वुशु मेडल पक्का

नागोया । भारत की रोशिबिना देवी ने महिलाओं के 60 किग्रा वुशु क्वार्टर फाइनल में मकाऊ, चीन की चू मैन सिन को 5-0 से शिकस्त दी। मंगलवार को आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में इस जीत के साथ रोशिबिना ने एशियन गेम्स में अपना तीसरा मेडल सुनिश्चित कर लिया है। 2018 और 2022 एशियन गेम्स की मेडलिस्ट रोशिबिना ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना तीसरा

कॉन्टिनेंटल मेडल पक्का कर लिया है। उन्होंने प्वाइंट्स के अंतर से मैच 5-0 से अपने नाम करते हुए बुधवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाई। रोशिबिना ने इससे पहले सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश की शिखा खातून को मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। मौजूदा एशियन गेम्स में वुशु में भारत का यह पहला पक्का मेडल है। रोशिबिना एशियन गेम्स 2023 में सिल्वर मेडलिस्ट रह चुकी हैं, जब वह सांडा 60 किग्रा कैटेगरी में दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2018 जकार्ता खेलों में भी इसी वेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उनके अलावा, भारत के आर्यन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं, जो अब मेडल के लिए मुकाबला करेंगे। आर्यन ने पुरुषों के 56 किग्रा प्री-क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान के साफी शहजादा को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

नेपाली मुक्केबाज को 5-0 से हराकर

जदुमणि सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

निशियो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुषों के 55 किग्रा प्रिलिमिनरी राउंड में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को शिकस्त दी। इसी के साथ जदुमणि ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट ने यह बाउट निशियो जिम्नेजियम में जीती। जदुमणि ने शानदार मुकाबला करते हुए थापा पर 5-0 से सर्वसम्मत जीत हासिल की। ??जदुमणि ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट के खिलाफ धीमी

शुरुआत की, लेकिन मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और तीनों राउंड में सटीक पंच से जजों को प्रभावित किया। शुरुआती दो राउंड जीतने के बाद जदुमणि ने अपना दबदबा बनाए रखा और तीसरे राउंड में एक लेफ्ट हुक लगाया, जिससे थापा को 'स्टैंडिंग काउंट' का सामना करना पड़ा। भारतीय बॉक्सर ने तीसरा राउंड भी जीता और तीन 30-27 और दो 29-28 स्कोरकार्ड के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।
जदुमणि अब शनिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के बॉक्सर कार्लो पालाम से भिड़ेंगे, जो 2020 टोक्यो ओलंपिक गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं।

एशियन गेम्स वेटलिफ्टिंग

खत्म हुआ 28 साल का सूखा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है। 49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किलोग्राम का भार उठाते हुए एशियन गेम्स में अपना पहला मेडल जीता। पिछले एशियन गेम्स में वह मेडल लाने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में मीराबाई ने 83 किलो का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रहीं। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद से कोई भी खिलाड़ी एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल नहीं ला सका था। हालांकि, मीराबाई का गोल्ड मेडल जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में अपने मेडल का सूखा भी खत्म कर दिया है।

साल 2014 में वह 9वें स्थान पर रही थीं। वहीं, जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई चोट के चलते हिस्सा नहीं ले सकी थीं। हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई ने 49 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था, लेकिन वह चौथे स्थान पर रही थीं और मेडल लाने से चूक गई थीं।

महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम का कमाल, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। भवतेघ सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नारुका और मैराज अहमद खान की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। भारतीय स्कीट टीम ने फाइनल में कुल 346 का स्कोर करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। कुवैत ने 348 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि कतर की टीम 353

स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अनंतजीत ने इस स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भारत की महिला स्कीट टीम ने भी देश को इसी स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। परिनाज धालीवाल, रजिया ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान ने कुल 331 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, शूटिंग में भारत की उम्मीदों को उस समय करारा झटका लगा, जब मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूक गईं। मनु 181.1 के स्कोर के साथ फाइनल मुकाबले में पांचवें स्थान पर रहीं। मनु अपने प्रदर्शन से खुद निराश नजर आईं। इसके साथ ही 10 मीटर एयर पिस्टल के टीम इवेंट में भी मनु, ईशा और सुरुचि की तिकड़ी मेडल जीतने से मामूली अंतर से चूक गई। भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही।

जय मीणा ने रचा इतिहास

सॉफ्ट टेनिस में भारत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में जय मीणा ने इतिहास रच दिया है। उन्होने पुरुषों के सॉफ्ट टेनिस में भारत के लिए पहला मेडल जीता है। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताकुया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना

पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद वह ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम करने में सफल रहे हैं। मीणा ने क्वार्टर फाइनल में शेरविन नुगुइट के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला मेडल पक्का किया था। उस मैच में वे आखिरी गेम में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर वापसी करते हुए लगातार चार प्वाइंट जीते और क्वार्टर फाइनल 4-3 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां वे कुरोसाका से हार गए और ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना सफर खत्म किया। सॉफ्ट टेनिस में मीणा का सफर एक दिलचस्प संयोग से शुरू हुआ। शुरुआत में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वे क्रिकेटर बनना चाहते थे।

मगर जब उन्होंने देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया, तो वहां बने सॉफ्ट टेनिस कोर्ट ने उनका ध्यान खींचा। पहले वे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखते थे और बाद में बॉल बॉय के रूप में मदद करने लगे। धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी सॉफ्ट टेनिस में बढ़ी और उन्होंने खुद यह खेल खेलना शुरू कर दिया। स्कूल और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं से शुरुआत करने के बाद वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।

भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी

ईरान को 37-23 से हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने कड़े मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराते हुए टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत और ईरान के बीच पहले हाफ में खासतौर पर कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई। 10-6 के स्कोर पर भारतीय टीम ऑलआउट होने की दहलीज पर थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पूजा ने बेहतरीन रेड करते हुए दो प्वाइंट अर्जित किए। पूजा की यह रेड मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई और इसके बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की। जल्द ही भारतीय टीम ने स्कोर को 11-11 से बराबर कर दिया। हाफ टाइम का अंत होने तक भारत ने 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ईरान के डिफेंस पर पूरी तरह से हावी नजर आई। हालांकि, ईरान के रेडर ऐनाज जोब्रान की तीन प्वाइंट की सुपर रेड ने टीम को मैच में वापस लाने का काम किया।

दबाव में भारतीय डिफेंस और रेडर्स ने कमाल का संयम दिखाया।

व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूकीं राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिला स्कीट टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालीं भारतीय शूटर राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल व्यक्तिगत स्पर्धा में देश के लिए मेडल लाने से चूक गईं। राइजा चौथे स्थान पर रहीं जबकि परिनाज ने

आठवां स्थान हासिल किया। तीन दिनों के क्वालिफिकेशन राउंड के बाद राइजा और परिनाज ने 125 में से 111 शॉट लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर रहीं। हालांकि भारतीय जोड़ी फाइनल में कोई खास असर नहीं दिखा पाई और नतीजतन व्यक्तिगत इवेंट से खाली हाथ लौटीं। टीम इवेंट में परिनाज, राइजा और माहेश्वरी ने क्वालिफिकेशन में कुल 331 का स्कोर किया और पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत की उम्मीदों को लगा करारा झटका

मेडल से चूकीं मनु भाकर, फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं

नागोया । दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शूटर मनु भाकर को एशियन गेम्स में निराशा हाथ लगी है। वह महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में पोडियम तक नहीं पहुंच सकीं और बुधवार को फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। वहीं, साउथ कोरिया की गाउन चू ने 246.3 के स्कोर के साथ एशियाई रिकॉर्ड और गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता।

चीन की यियाओ शेन (241.3) और रैनक्सिन जियांग (221.6) ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पर अपनी जगह बनाई। मनु क्वालिफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर (जिसमें 20 'इनर 10' शामिल थे) के साथ तीसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत फाइनल में पहुंची थीं। आठ महिलाओं के फाइनल में उन्होंने 181.1 का स्कोर किया। टीम मेडल से बहुत कम अंतर से चूकने के बाद, महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भारत को कोई मेडल

नहीं मिला। अब मनु अपना ध्यान 25 मीटर पिस्टल इवेंट पर लगाएंगी, जहां वह ईशा और 2018 एशियन गेम्स की चैंपियन राही सरनोबत के साथ शामिल होंगी।

महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1-0 की बढ़त

इचिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन

यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता।

साक्षी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

निशियो । कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता साक्षी चौधरी ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के शुरुआती राउंड में पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विनर आइरा विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

चौधरी ने निशियो जिमनैजियम में अपने एशियन गेम्स डेब्यू में शानदार परफॉर्मेंस देते हुए फिलिपिनो बॉक्सर को 5-0 के एकमत फैसले से हराया। उन्होंने 10-9 के स्कोर के साथ तीनों राउंड एकमत से जीते और दोनों में से बेहतर बॉक्सर थीं। उनके सटीक पंच पेरिस की कांस्य पदक विजेता के लिए संभालना मुश्किल था।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अब प्री-क्वार्टर में पहुंच गई हैं। गुरुवार को उनका मुकाबला मौजूदा 51 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन

अलुआ बाल्किबेकोवा से होगा।

साक्षी पहले से ही एक मशहूर बॉक्सर हैं और उन्होंने इस खेल की कुछ बड़ी मुक्केबाजों को हराया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल्स में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा को हराया। उन्होंने ट्रायल्स के सेमीफाइनल में निकहत को हराया, जबकि फाइनल में चैंपियन हुड्डा को हराया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में साक्षी ने फाइनल में इंग्लैंड की रूबी व्हाइट को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। एक सफल कॉमनवेल्थ के बाद, साक्षी ने एशियाड पर अपनी नजरें टिकाए रखीं।

साक्षी ने कहा था, 'कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 4018

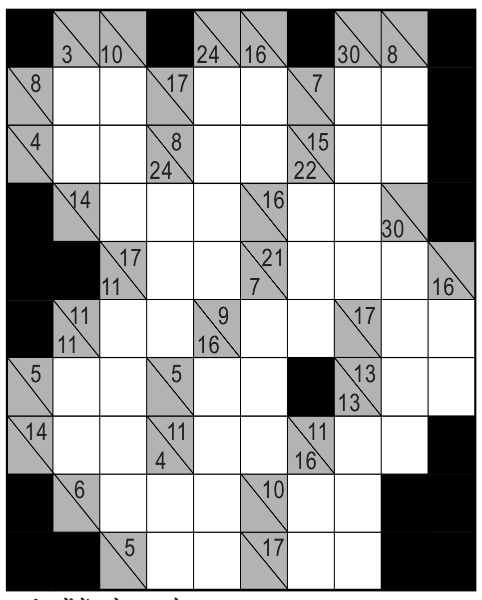

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

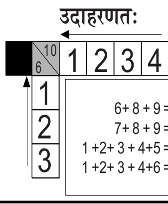

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4017 का हल

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से)- तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से)- दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैंतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 4018

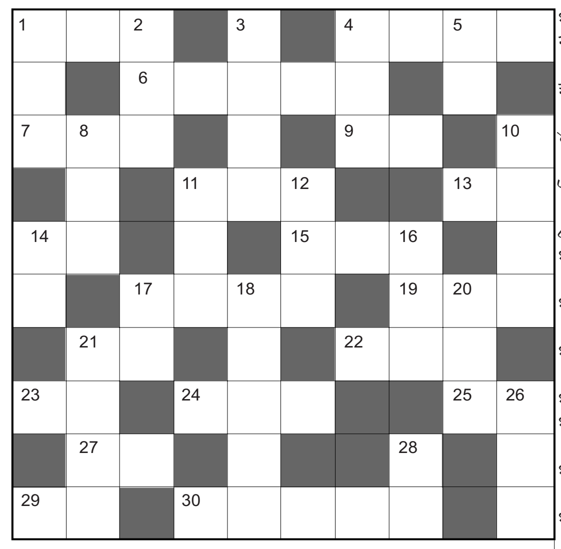

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4017

सूडोकु -4018

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4017 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 4018

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -4017 का हल

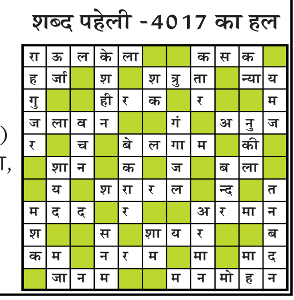

इंटीरियर : कलरफुल हो ड्रीम होम

घर हमारा सपना होता है, जिसे हम अपनी कल्पनाओं और विचारों से सजाते हैं। हमारा घर हमारा आईना भी होता है, यही वजह है कि किसी के घर को देखकर उसकी पर्सनालिटी और उसके विचारों का पता आसानी से लगाया जा सकता है। यही वजह है कि हमें अपने घर के एक-एक कोने को सजाने-संवारने में जी-जान से मेहनत करनी पड़ती है, तब वह घर निखरकर हमारे सामने आता है। घर को खूबसूरत बनाने में रंगों का अहम योगदान होता है। एक आर जहां सही रंग कमरे की खूबसूरती और फर्नीचर को निखार कर सामने लाते हैं, वहीं दूसरी आर गलत रंगों का चयन खूबसूरत एक्सेसरीज को भी बदसूरती में बदल देते हैं। नये साल पर अपने घर को नये तरीके से सजाइए, नये रंगों का चयन कीजिए। 2009 में कौन से नये रंग होंगे इन, जानिए-

● 2009 में ब्लू कलर हॉट है। लेकिन कमरे की दीवारों पर डार्क ब्लू अच्छे नहीं लगते, इसलिए सूदिंग, रिलैक्सेसिंग लाइट ब्लू से सजा डालिए अपने घर की दीवारों को।

● ब्लू कलर के साथ यह साल पर्पल को भी सलाम कर रहा है। चाहें लाइट लिलैक का इस्तेमाल कीजिए, या रॉयल पर्पल, आपके पास इस रंग में कई विकल्प हैं।

● बीते साल में जहां रैम्प पर यलो कलर इठलाया है तो इसे भला घर के अंदर इंट्री कैसे नहीं मिलेगी। कमरे को खुला और लाइवली लुक देता यह कलर बेहद खूबसूरत दिखता है, यदि सही काम्बिनेशन का इस्तेमाल किया जाए तो। चाहें तो स्ट्रांग यलो के साथ ऑरेंज को मिक्स कीजिए। यह बेहद अट्रैक्टिव लगता है।

● रिच चॉकलेट कलर ऐसा है, जो घर को डिफरेंट लुक दे सकता है। यदि आपको यह कलर डार्क लग रहा है तो इसे आयवरी के साथ मैच करवाइए।

● कॉपर, ब्रोंज, ग्रेफाइट जैसे मेटेलिक कलर्स भी इस साल लौट आए हैं। लेकिन इनके इस्तेमाल से पहले इन रंगों के साथ मैच करती सही एक्सेसरीज की भी खरीदारी कर डालिए। इससे कमरे को कांटेम्पररी लुक मिलेगा।

● क्रीमी व्हाइट के साथ ग्रे कलर का काम्बिनेशन आपके कमरे को देगा एलीगेंट और रिलैक्स लुक। यह काम्बिनेशन काफी स्टाइलिश और मॉडर्न लुक देता है।

● बच्चों के कमरे और किचन के लिए फ्रूट कलर्स सिटरस ग्रीन, मैंगो, एप्पल रेड, लेमन यलो, स्ट्रॉबेरी रेड, बनाना यलो जैसे कलर्स बेहद खूबसूरत लगते हैं। चाहें तो इसे काम्पिलमेंट करने के लिए ब्लैक कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

● कमरे के अंदर आसमान सा खुलापन चाहती हैं तो नीले रंग से सराबोर कर दीजिए कमरे की दीवारों को। यदि सनराइज पसंद है या सनसेट तो इन्हीं रंगों का प्रयोग कीजिए। डीप ब्लू, ब्रोंज, वार्म गोल्ड, रोजी पिंग, लाइट ब्लू जैसे कलर्स कमरे में प्राकृतिक अहसास लाते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

फिल्म 'उड़ता तीर' में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अगली फिल्म को लेकर मेकर्स ने अब तक कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं रखी है। हालांकि, फिल्म से जुड़े सूत्रों से बातचीत में कहानी और किरदारों को लेकर कुछ अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म की पृष्ठभूमि भारत और पाकिस्तान से जुड़ी जरूर है।

भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि में काल्पनिक कहानी

फिल्म में भारत और पाकिस्तान की पृष्ठभूमि कहानी का अहम हिस्सा है। यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है, जिसे भारत-पाकिस्तान के संदर्भ में विकसित किया गया है। यही वजह है कि इसे हाल के दौर की उन फिल्मों से अलग माना जा रहा है, जिनकी कहानियां वास्तविक घटनाओं या सैन्य अभियानों से प्रेरित रही हैं।

फिल्म में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

फिल्म में आयुष्मान महत्वपूर्ण भूमिका में हैं और कहानी की मुख्य घटनाएं उनके किरदार के आसपास आगे बढ़ती हैं। इसकी वजह कहानी में मौजूद ट्विस्ट बताए जा रहे हैं। इसी वजह से आयुष्मान के डबल रोल में होने की भी संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह कंफर्म नहीं है।

लाउड नहीं, सिचुएशनल कॉमेडी पर फोकस करेगी यह फिल्म

फिल्म का टोन इसे खास बनाता है। भारत-पाकिस्तान का बैकड्रॉप और डिफेंस से जुड़ी कहानी देखकर इसे गंभीर वॉर फिल्म या सीधी कॉमेडी समझना आसान हो सकता है। फिल्म में ड्रामा और कॉमेडी साथ-साथ चलती है। इसका हास्य लगातार पंचलाइन या वन-लाइनर्स पर बेस्ड नहीं है।

'धुरंधर' जैसी फिल्मों से अलग है कहानी

इसमें डिफेंस से जुड़ी दुनिया होने के बावजूद ड्रामा और कॉमेडी को भी बराबर जगह दी गई है। इसलिए इसे 'धुरंधर' जैसे युद्ध बेस्ड प्रोजेक्ट के साथ रखना सही नहीं है।

मुंबई से दिल्ली-एनसीआर तक हुई इस फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग मुंबई और दिल्ली में हुई है। दिल्ली-एनसीआर में भी इसके कई हिस्से शूट किए गए। खास तौर पर गुरुग्राम के एक कॉलेज की लोकेशन का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा वहां आर्मी बेस जैसा सेटअप भी तैयार किया गया था। फिल्म की दुनिया में सामान्य शहरी लोकेशन के साथ डिफेंस से जुड़े हिस्सों को भी जगह दी गई है।

सारा का किरदार डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा

सारा फिल्म में एक कामकाजी महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका संबंध डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा बताया जा रहा है। यानी उनका किरदार सिर्फ घर या किसी पुरुष किरदार के आसपास सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म की पेशेवर दुनिया का हिस्सा है। उनके किरदार की पूरी भूमिका अभी सामने नहीं आई है।

रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के बाद तारा सुतारिया ने बनाई पहचान

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वाइवल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड डेब्यू

साल 2019 तारा सुतारिया के करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा। इसी साल उन्होंने पुनीत मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे। तारा ने फिल्म में मिया चावला का किरदार निभाया।

यह कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार और प्रतियोगिता पर आधारित कहानी थी। फिल्म को समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन तारा के लिए यह बड़े पर्दे पर शुरुआत का अवसर था। तारा ने अपनी डेब्यू फिल्म के प्रदर्शन पर कहा था कि फिल्म को लेकर लोगों की राय अलग हो सकती है, लेकिन उनके अनुसार फिल्म ने कमाई की थी और वह इसे असफल नहीं मानती थीं। तारा ने बताया था कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' की शूटिंग के दौरान उन्हें दूसरी फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। इनमें 'कबीर सिंह' और 'मरजावां' जैसी फिल्में शामिल थीं।

फिल्मों से रिप्लेस होने का अनुभव

फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के साथ-साथ किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा बने रहना भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तारा सुतारिया ने करियर के दौरान ऐसे अनुभवों का सामना किया है। जूम टीवी एंटरटेनमेंट के इंटरव्यू में तारा ने फिल्मों से रिप्लेस किए जाने के अनुभवों पर बात की है। उन्होंने बताया कि कुछ मौकों पर उन्हें फिल्मों से बाहर किए जाने की जानकारी मिली, जबकि वह उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने की उम्मीद कर रही थीं। किसी फिल्म से जुड़े होने की उम्मीद के बाद अचानक किसी दूसरे कलाकार को अपनी जगह देखना भावनात्मक रूप से मुश्किल हो सकता है। तारा के लिए भी यह शुरुआती करियर का ऐसा अनुभव रहा, जिसने उन्हें इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को समझने का अवसर दिया।

आउटसाइडर होने पर बोलीं तारा

तारा सुतारिया ने इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने आठ साल के सफर पर बात की थी। इस इंटरव्यू में तारा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की, तब वह बहुत कम लोगों को जानती थीं। फिल्मी दुनिया के काम करने के तरीकों को समझने में उन्हें कई साल लगे। उन्होंने बताया था कि फिल्मी परिवार से नहीं आने वाले कलाकारों के लिए इंडस्ट्री को समझना अलग अनुभव होता है। फिल्मी परिवारों से जुड़े लोगों को कई बार फिल्मों के बनने, प्रोजेक्ट्स के ट्रैक होने और इंडस्ट्री में काम के अवसरों की जानकारी पहले से मिल जाती है। तारा के मुताबिक, बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए ऐसी जानकारियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं। उन्होंने अपने अनुभव को मुश्किल और कई बार अकेलेपन भरा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता और दोस्तों का सहयोग उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। वह अपने परिवार से काम और निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों पर बात कर पाती हैं। तारा ने इस बातचीत में बताया कि समय के साथ उन्होंने अपनी पसंद और नापसंद को समझा। अब वह जानती हैं कि किन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और किस तरह के प्रोजेक्ट्स उनके लिए सही हैं।

पोस्टपोन हो सकती है प्रभास स्टारर 'फौजी' की रिलीज डेट

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' इन दिनों चर्चा में है। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। अब खबर है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'निर्माता फिल्म को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक रिलीज की नई डेट की घोषणा नहीं हुई है। 'फौजी' की रिलीज आगे बढ़ाने की एक बड़ी वजह फिल्म का लंबा पोस्ट प्रोडक्शन काम बताया जा रहा है। फिल्म का काफी हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन अभी कुछ हिस्सों की शूटिंग भी बाकी है। प्रभास जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर सकते हैं।

फिल्म में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में हैं

'फौजी' में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में नजर आएंगी। यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह इस फिल्म के जरिए बड़े परदे पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत कर रही हैं।

अगले प्रोजेक्ट में संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'महेश अब मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत होने की खबर सामने आई है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और तेलुगु सिनेमा के बड़े एक्टर पहली बार एक साथ काम करते नजर आ सकते हैं। भंसाली इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। फिल्म में भव्य सेट, बड़े दृश्य और नाटकीय कहानी देखने को मिल सकती है।

द रेवोल्यूशनरीज के लिए रोहित सराफ ने 15 महीने की कड़ी ट्रेनिंग की

अभिनेता रोहित सराफ अपनी नई वेब सीरीज़ 'द रेवोल्यूशनरीज' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज़ में वह स्वतंत्रता सेनानी सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के लिए रोहित ने अपने शरीर को बदलने के लिए करीब 15 महीने तक कड़ी मेहनत और ट्रेनिंग की। इसके अलावा उन्होंने लगभग 3 महीने तक मल्लखंब और कुश्ती जैसी कलाओं की ट्रेनिंग भी ली। रोहित ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक निखिल आडवाणी से मिले, तो उन्होंने रोहित से कहा था कि उनका शरीर हॉलीवुड अभिनेता ब्रैड पिट जैसा होना चाहिए, जैसा कि फिल्म फाइट क्लब में दिखता है। रोहित ने कहा, 'मैं पहले से एक्टिव और फिट था, लेकिन मैं फाइट क्लब वाले ब्रैड पिट जैसा बिल्कुल नहीं था।' इसलिए उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने शरीर को निर्देशक की कल्पना के मुताबिक बनाना थी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग काफी कठिन और थकाने वाली थी। वह अपनी ट्रेनिंग के वीडियो लगातार निखिल आडवाणी को भेजते थे। रोहित को सबसे ज्यादा अच्छा यह देखकर लगा कि धीरे-धीरे ट्रेनिंग की वजह से उनके शरीर का लुक और चलने-फिरने का तरीका दोनों बदल रहे थे।

क्या ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह?

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ललित मोदी की जिंदगी पर एक बड़े बजट की बायोपिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण उनके बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा।

ललित मोदी की जिंदगी के कई पहलुओं पर होगी नजर

फिलहाल यह फिल्म लेखन और डेवलपमेंट स्टेज में है। फिल्म की कहानी, स्टारकास्ट, डायरेक्टर और रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म में ललित मोदी की जिंदगी को सिर्फ विवादों तक सीमित नहीं रखना चाहते। कहानी में उनके निजी जीवन के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल सफर को भी दिखाया जाएगा। फिल्म के जरिए ढ्ढक्क के पीछे की सोच और उसे खड़ा करने में ललित मोदी की भूमिका पर भी फोकस किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मेकर्स स्क्रिप्ट पर काफी समय दे रहे हैं, ताकि ललित मोदी की पूरी कहानी को विस्तार से पर्दे पर उतारा जा सके। लेखिका और प्रोड्यूसर स्नेहा राजानी के भी इस बायोपिक के डेवलपमेंट से जुड़े होने की खबर है। खास बात यह है कि जब ललित मोदी ने पहली बार अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने की जानकारी दी थी, तब स्नेहा राजानी ही इस प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम का नेतृत्व कर रही थीं। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल फिल्म की कास्ट को लेकर है। कुछ साल पहले रणवीर सिंह ने लंदन में एक मुलाकात के दौरान ललित मोदी का किरदार पर्दे पर निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि रणवीर सिंह को इस बायोपिक के लिए फाइनल किया गया है या नहीं। ललित मोदी ने जून में भी अपनी जिंदगी पर बन रही बायोपिक को लेकर जानकारी साझा की थी। ऐसे में अब इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईरान पर अमेरिका का बड़ा वार: 23 सितंबर से दुनियाभर में एयरलाइंस पर रोक, तेहरान ने दी हमले की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के विमानन क्षेत्र के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई का एलान किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी है कि 23 सितंबर से दुनिया भर में सभी ईरानी एयरलाइंस का संचालन पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा। बेसेंट ने चेतावनी देते हुए कहा, यदि ईरानी विमान लैंड करते हैं, तो कोई भी उन्हें ईंधन नहीं दे सकता, लैंडिंग सेवाएं उपलब्ध नहीं करा सकता और न ही उनके टिकट बेच सकता है। जो भी देश, एयरपोर्ट या कंपनी ईरानी विमानों को किसी भी प्रकार की सहायता मुहैया कराएगी, उसे तत्काल डॉलर आधारित वित्तीय प्रणाली से पूरी तरह बाहर कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान के केंद्रीय सैन्य कमान खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि यदि उसने ईरान के खिलाफ कोई भी नई सैन्य कार्रवाई शुरू की तो पूरे पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर बेहद दर्दनाक हमले किए जाएंगे। ईरानी सरकारी समाचार एजेंसी इरना की ओर से जारी बयान में ईरान ने दावा किया कि अमेरिका क्षेत्रीय देशों के सहयोग से सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। सेना ने कहा कि यदि अमेरिका ने कोई भी चूक की, तो बिना किसी विचार के जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ईरान की तरफ से यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की उस धमकी के बाद आया है कि अगर ईरान ने अपना रुख नहीं बदला, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उधर, समुद्री निगरानी एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज में अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से एक तेल टैंकर पर हमला किया गया है। हमले में चालक दल के दो सदस्य घायल हुए हैं।

ट्रंप और ममदानी की मुलाकात: मीडिया पर प्रतिबंध और बायकॉट के सवाल का भी दिया जवाब; क्या-क्या बोले?

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के मेयर पद के डेमोक्रेट उम्मीदवार जोहरान ममदानी से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत की। इसी दौरान उनसे उन खबरों पर सवाल किया गया, जिनमें कहा गया था कि व्हाइट हाउस की ओर से कई मीडिया संस्थानों पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में कुछ मीडिया संगठन ट्रंप की कवरेज का बहिष्कार कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि मीडिया ने उन्हें बॉयकॉट करने की बात कही थी, लेकिन वास्तव में किसी ने उनका बॉयकॉट नहीं किया। ट्रंप ने कहा ह कि उन्हें मीडिया के बॉयकॉट की कोई चिंता नहीं थी। उन्होंने कहा कि प्रेस की भी एक जिम्मेदारी होती है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने चुनाव में बड़ी जीत हासिल की और उनके कार्यकाल में कई बड़े काम हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने आठ युद्धों को सुलझाया है और अमेरिका के आर्थिक आंकड़े देश के इतिहास में सबसे अच्छे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने जो काम किए हैं, उन्हें मीडिया सकारात्मक तरीके से नहीं दिखाता। उनका कहना था कि उन्हें लगभग हमेशा नकारात्मक कवरेज मिलती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका में 21 ट्रिलियन डॉलर का निवेश आ रहा है, जो उनके मुताबिक अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने ऐसा किया है जो पहले कभी नहीं हुआ।

हूतियों के हमलों से सऊदी बेहाल: ब्रिटेन ने बढ़ाया मदद का हाथ; आरएएफ भरेगा लड़ाकू विमानों में ईंधन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच सऊदी अरब को सीमित सैन्य मदद देने का फैसला किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने सोमवार को बताया कि रॉयल एयर फोर्स यानी आरएएफ सऊदी अरब के विमानों में हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा देगा। यह व्यवस्था कुछ हफ्तों के लिए होगी और हालात को देखते हुए इसकी समीक्षा की जाएगी। यमन में हूतियों और सऊदी समर्थित सरकार के बीच संघर्ष फिर तेज हो गया है। हूती विद्रोही सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहे हैं। शनिवार को सऊदी राजधानी रियाद को निशाना बनाकर भी हमला किया गया था, जिसे बीच में ही रोक दिया गया। हूतियों ने लाल सागर और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सऊदी शिपिंग के खिलाफ नाकाबंदी का एलान भी किया है। ब्रिटेन आरएफ के जरिए सऊदी विमानों को हवा में ईंधन भरने की सुविधा देगा। यह सहायता शुरुआती तौर पर कुछ हफ्तों के लिए होगी और इसकी समीक्षा की जाएगी। आरएएफ का एक वॉयजर विमान सऊदी विमानों को ईंधन देने के लिए इस्तेमाल होगा। ब्रिटिश अधिकारियों के मुताबिक विमान सऊदी के 'रक्षात्मक' अभियानों में मदद करेगा।

जयशंकर ने की पी4एम समिट की अध्यक्षता, कहा- वैश्विक व्यवस्था दबाव में, बहुपक्षीय सहयोग जरूरी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर बहुपक्षवाद शिखर सम्मेलन में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक चुनौतियों पर जोर दिया। भारत ने सह-प्रायोजक के रूप में बहुपक्षवाद को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र में सुधार की वकालत की। सम्मेलन में वैश्विक चुनौतियों से निपटने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने इस पहल को सह-मेजबानी ऑस्ट्रेलिया, बारबाडोस, ब्राजील, कनाडा, भारत और केन्या के साथ की। उन्होंने सभी महाद्वीपों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक व्यापक और विविध प्रतिनिधित्व पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कोस्टा ने कहा कि हम सभी विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और इतिहासों से आते हैं, फिर भी हम समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विश्व इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां संघर्ष लगातार फैल रहा है। अंतरराष्ट्रीय कानून का बार-बार उल्लंघन किया जा रहा है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य भी शामिल हैं। बहुपक्षीय प्रणाली इस समय भारी तनाव में है। जलवायु परिवर्तन, महामारी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक असुरक्षा जैसी चुनौतियां इतनी व्यापक हैं कि कोई भी देश, चाहे वह बड़ा हो या छोटा, उनका अकेले सामना नहीं कर सकता।

इसलिए हमें टकराव को सहयोग में बदलना चाहिए। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग, आपसी सम्मान और अंतरराष्ट्रीय कानून पर आधारित एक वैश्विक नेटवर्क बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस पहल को शुरू करने के लिए राष्ट्रपति एंटोनियो कोस्टा को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, भारत सह-प्रायोजक के रूप में इस पहल में शामिल होकर प्रसन्न है। जयशंकर ने आगे कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब वैश्विक व्यवस्था तनाव में है। पिछले कुछ दशकों से दुनिया में एक स्थिर पुनर्संतुलन देखा जा रहा है, जो एक लंबे समय से अपेक्षित संरचनात्मक विकास था। हालांकि, अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, भू-राजनीतिक तनाव और वास्तविक संघर्षों ने इसे एक अलग चरित्र दिया है। यदि इसे अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना पर ही सवाल उठाएगा। इसीलिए इस मोड़ पर बहुपक्षवाद का दृढ़ता से मुखर होना इतना आवश्यक है।

बहुपक्षवाद की आवश्यकता क्यों है : कोस्टा ने स्पष्ट किया कि बहुपक्षवाद के साझेदारों की यह पहल एक खुला मंच है। यह दुनिया के सभी हिस्सों के साझेदारों के लिए है जो सामान्य सिद्धांतों की रक्षा करने को तैयार हैं। इसका लक्ष्य ठोस समाधानों की दिशा में मिलकर काम करना है। यह मंच संवाद, गठबंधन निर्माण और व्यावहारिक सहयोग के लिए एक नेटवर्क के रूप में कार्य करेगा। यह हमें सामान्य चुनौतियों का सामना करने में समन्वय स्थापित करने में मदद करेगा। हमारा मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय प्रारूपों के कार्य का समर्थन करना है। हम साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस कार्रवाई में बदलने में सहायता करेंगे। जयशंकर ने भी बहुपक्षवाद की आवश्यकता पर दृढ़ता से जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां दांव पर केवल शब्द या अभिव्यक्तियां नहीं हैं। बल्कि बहुत वास्तविक मुद्दे हैं जिनका समाधान आवश्यक है। शांति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा का भविष्य, जलवायु कार्रवाई और जलवायु न्याय, उभरती प्रौद्योगिकियां और विकास वित्त, आतंकवाद का मुकाबला, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना, तथा आपदा लचीलापन सुनिश्चित करना और महामारियों की तैयारी करना। ये सभी सहयोग की इच्छा पर निर्भर करते हैं।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने की प्राथमिकताएं क्या हैं : एंटोनियो कोस्टा ने इस संबंध में तीन मुख्य प्राथमिकताएं बताईं। पहली प्राथमिकता उन नियमों और संस्थाओं की रक्षा करना है जो हम सभी की सुरक्षा करते हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र चार्टर, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय कानून शामिल हैं। दूसरी प्राथमिकता जलवायु वित्त, सतत विकास, महामारी की तैयारी, आर्थिक लचीलापन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में प्रगति करना है। तीसरी प्राथमिकता हमारी संस्थाओं में सुधार करना है। उन्हें कल की दुनिया के लिए उपयुक्त बनाना है, न कि कल की दुनिया के लिए। कोस्टा ने भविष्य के लिए समझौता, संयुक्त राष्ट्र 80 पहल और अन्य सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने इन्हें संयुक्त राष्ट्र को अधिक सुसंगत, प्रभावी और कुशल बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। जयशंकर ने भी कहा कि हमने अब तक जो कुछ भी हासिल किया है, वह केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सबक यह है कि बेहतर के लिए प्रयास करते हुए अच्छे की रक्षा की जाए। यह उद्देश्य विभिन्न प्रकार के प्रयासों और पहलों के संयोजन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

स्पेसएक्स को मिलेगी वाइल्डलाइफ की जमीन, कोर्ट ने खारिज की अंतरिम रोक की मांग; भड़के पर्यावरण समूह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने टेक्सास में एक जमीन अदला-बदली (लैंड स्वैप) समझौते के तहत अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को 700 एकड़ से अधिक वन्यजीव अभयारण्य की जमीन सौंपने की ट्रंप प्रशासन की योजना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद पर्यावरण समूहों ने अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश फर्नांडो रोड्रिग्ज जूनियर ने सोमवार को पर्यावरण और आदिवासी समूहों की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इस जमीन के हस्तांतरण पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में नाकाम रहे कि इस सौदे से गल्फ कोस्ट क्षेत्र के पर्यावरण को कोई अतिरिक्त गंभीर खतरा पहुंचेगा, जो इलाका पहले से ही स्पेसएक्स के रॉकेट अभियानों के चलते काफी बदल चुका है।

यूएस फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस ने जून में स्पेसएक्स के साथ इस समझौते को आगे बढ़ाने की मंजूरी दी थी। इस समझौते के तहत स्पेसएक्स अपनी 683 एकड़ निजी जमीन सरकार को सौंपेगा और इसके बदले में कंपनी को 'लोअर रियो ग्रांडे वैली नेशनल वाइल्डलाइफ रिफ्यूज' की 700 एकड़ से ज्यादा संघीय जमीन मिलेगी। यह वन्यजीव अभयारण्य टेक्सास सीमा पर चार काउंटियों में 1,03,000 एकड़ में फैला हुआ है। यह दुर्लभ वन्यजीवों का आवास और ऐतिहासिक धरोहर है। नक्शों से पता चलता है कि स्पेसएक्स को जो नई जमीन मिलने वाली है, वह अमेरिका-मेक्सिको सीमा के करीब कंपनी के मौजूदा रॉकेट लॉन्चपैड से बिल्कुल सटी हुई है।

पर्यावरण समूहों ने जताया कड़ा विरोध : मामले को लेकर सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायवर्सिटी के प्रवक्ता लाइकन जोर्डाहल ने कहा कि यह सौदा सार्वजनिक जमीन को स्पेसएक्स को तोहफे में देने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे अगले हफ्ते से ही इस वन्यजीव अभयारण्य पर बुलडोजर चलने का रास्ता साफ हो जाएगा और एक सार्वजनिक संपत्ति निजी फायदे में बदल जाएगी।

जोर्डाहल ने जोर देकर कहा कि अदालत का यह आदेश अंतिम फैसला नहीं है और उनकी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह जमीन दक्षिण टेक्सास के लोगों और वन्यजीवों के लिए आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और वे इसे स्पेसएक्स से बचाने के लिए लड़ते रहेंगे। स्थानीय लोग समुद्र तटों तक पहुंच बंद होने और रॉकेट विस्फोटों के खतरों को लेकर भी मस्क की कंपनी के बढ़ते विस्तार का विरोध करते रहे हैं।

पीठ में गोली धंसी रही, फिर भी आईसीई ने नहीं छोड़ा: अस्पताल से सीधे हिरासत में पहुंचा वेनेजुएलावासी

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक आईसीई अधिकारी की गोली से घायल 28 वर्षीय वेनेजुएलावासी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद फिर आईसीई हिरासत केंद्र भेज दिया गया। खास बात यह है कि उसकी पीठ में गोली अब भी फंसी हुई है। आव्रजन वकील केट लिंकन-गोल्डफिंच की प्रवक्ता फैबियाना मेलेंडेज रुइज के मुताबिक, विल्बर राफेल गार्सेस पेरेज रविवार को ऑस्टिन में डोरडैश की डिलीवरी कर रहा था। इसी दौरान ट्रैफिक रोकने के दौरान उसे गोली मार दी गई।

पेरेज को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया था और उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई गई थी। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे दक्षिण टेक्सास आईसीई प्रोसेसिंग सेंटर, पियर्सल भेजा गया। पियर्सल ऑस्टिन से करीब 130 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। वकील की प्रवक्ता के मुताबिक, उसकी पीठ में गोली अभी भी मौजूद है और उसे दर्द की दवा नहीं दी गई। पेरेज ने अपनी पत्नी को रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे फोन कर बताया था कि उसे गोली लगी है। उसकी पत्नी और वकील को रविवार शाम तक अस्पताल से उसकी स्थिति की जानकारी नहीं मिल सकी। ऑस्टिन के मेयर ने कहा है कि स्थानीय पुलिस को इस घटना की जांच में भूमिका मिलनी चाहिए।

वकील की प्रवक्ता के मुताबिक, पेरेज ने अपनी वकील से फोन पर बात की। उसने बताया कि पीठ में गोली फंसी होने के बावजूद उससे पूछताछ की जा रही थी। प्रवक्ता ने कहा कि पेरेज ने यह भी बताया कि उसे दर्द की कोई दवा नहीं दी गई। रविवार को गोली लगने के बाद उसकी पत्नी ने अस्पताल से उसकी हालत जानने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल ने शाम करीब छह बजे बताया कि उसे लगभग 90 मिनट पहले ही छुट्टी दे दी गई थी। आईसीई ने वकील को उसकी हिरासत की जानकारी नहीं दी, जिसके बाद कानूनी डेटाबेस और अन्य माध्यमों से पता चला कि उसे कहां रखा गया है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने कहा है कि वह एक ऐसे वेनेजुएलावासी की गोली लगने की घटना की जांच कर रहा है।

खुद को कमजोर मानने वाले दूसरे का चेहरा पढ़ने में ज्यादा माहिर; कैसे लोग संवेदनशील, सामाजिक दूरी क्यों?

लंदन, एजेंसी। जब कोई आपसे बात करते समय यह बोले कि वो बहुत बहादुर है, किसी से नहीं डरता या फलां काम तो बाएं हाथ का खेल है तो कई बार इस पर खीज उठना स्वाभाविक है। लेकिन आपने शायद ही कभी ऐसा महसूस किया होगा कि आपके चेहरे पर नाराजगी का भाव उभरने से पहले ही ऐसी डींगें भरने वाले चुप हो जाते हैं।

दरअसल, एक नए अध्ययन में पता चला है कि खुद को अंदर से कमजोर मानने वाले और लोगों के सामने बहादुरी का दावा करने वाले ज्यादा संवेदनशील होते हैं। सामने वाले के चेहरे पर गुस्से या घृणा का भाव वो तुरंत भांप जाते हैं। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ लिंकन की तरफ से हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों के मन में अपने आत्म-सम्मान को लेकर अचेतन रूप से संदेह होता है, वो इस बात को बहुत जल्द समझ जाते हैं कि सामने वाले को उसकी बात अच्छी लग रही है या नहीं। विज्ञान पत्रिका पर्सनैलिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंसेस में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, सामाजिक रूप से नकारे जाने के प्रति संवेदनशीलता व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और दूसरों के साथ उसके सामाजिक संबंधों को भी गहराई से प्रभावित करती है। डॉ. कोर्जेनियोव्स्का ने बताया, जब किसी व्यक्ति का अचेतन आत्म-सम्मान कम होता है, तो उसका दिमाग संभावित सामाजिक अस्वीकृति से बचने के लिए लगातार अलर्ट मोड पर रहता है। शोध में सामने आया कि चेहरे पर घृणा के भावों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील लोग नकारे जाने के डर से एक सामाजिक दूरी बना लेते हैं।

क्या है चेतन व अचेतन आत्म-सम्मान : शोधकर्ताओं के मुताबिक, आत्म-सम्मान केवल वह नहीं है जो हम ऊपर से महसूस करते हैं या दूसरों को बताते हैं। मनोविज्ञान इसे दो मुख्य हिस्सों में बांटता है। स्पष्ट या चेतन आत्म-सम्मान वह भावना है जिसके बारे में हम सचेत होते हैं। उदाहरण के लिए, जब कोई व्यक्ति खुद को योग्य या प्रतिभाशाली मानता है और इसे शब्दों में बयां कर सकता है।

एजीआई हाउस या अय्याशी का अड्डा?: 37 पुलिस शिकायतों से उठे सवाल, टेक दिग्गजों की पार्टियों पर गंभीर आरोप

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) के जरिये दुनिया बदलने का दावा करने वाले सिलिकॉन वैली के आलीशान टेक हाउस अपनी गतिविधियों को लेकर सवालों के घेरे में हैं। कैलिफोर्निया के बेहद महंगे इलाके हिल्सबोरो स्थित एजीआई हाउस में तकनीकी विशेषज्ञों, स्टार्टअप संस्थापकों और निवेशकों के जमावड़े के बीच होने वाली पार्टियों और वहां की घटनाओं पर पुलिस शिकायतों और अदालती दस्तावेज में गंभीर आरोप सामने आए हैं। 2022 से अब तक इस बंगले के संबंध में 37 पुलिस मामले और शिकायतें दर्ज हुई हैं। नेटवर्किंग के नाम पर आयोजित होने वाली इन पार्टियों में न केवल नशीले पदार्थ व पार्टनर्स की अदला-बदली आम बात है, बल्कि दुष्कर्म, जबरन यौन संबंध बनाने और महिलाओं को बंधक बनाने के संगीन आरोप भी सामने आए हैं। 18,000 वर्गफुट के भूमध्यसागरीय शैली के इस बंगले में आठ कमरे हैं। एक कमरे का मासिक किराया 10 हजार डॉलर यानी करीब 9.5 लाख रुपये तक बताया गया है। सिलिकॉन वैली के शुरुआती हैकर हाउस छोटे-छोटे साझा मकानों में रहने और कोडिंग करने वाले युवा प्रोग्रामरों के लिए जाने जाते थे। एआई बूम के साथ स्वरूप बदला तो अय्याशी के अड्डे बनते चले गए।

बेलगाम पार्टियां, हवा में उड़ती कारें : एआई के पावर सेंटर एजीआई हाउस की नींव गूगल के पूर्व शोधकर्ता जेरेमी निक्सन ने रखी थी। इसमें ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी शीर्ष कंपनियों के इंजीनियर और स्टार्टअप फाउंडर्स रहते हैं। ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ऐसी ही एक अन्य हैकर-हाउस श्रृंखला द रेजिडेंसी के सलाहकार रहे हैं। गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन यहां व्याख्यान दे चुके हैं, जबकि एलन मस्क की पूर्व पार्टनर और गायिका ग्राइम्स यहां परफॉर्म कर चुकी हैं। यहां एक पार्टी में बंगले के लॉन में हवा में स्टंट करती कार उड़ाई गई। मेहमानों को बग्घियों में बैठाकर नकली एफिल टॉवर तक लाया गया। पिछले साल दिसंबर में रात 2:22 बजे एक महिला ने पुलिस को फोन किया। महिला ने आरोप लगाया कि घर के एक निवासी ने उसे अंदर रोककर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। विरोध करने पर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की। वह किसी तरह बंगले का ऊंचा गेट फांदकर बाहर निकल सकी। एजीआई हाउस से दो मील दूर टेक एन्फ्लुएंसर जिमी चेन ने 6 हजार वर्ग फुट का बंगला किराए पर ले रहा था।

महिलाओं के वेश में बच्चे के साथ घूम रहा था 16 हत्याओं का आरोपी 'मच्छर', पुलिस ने कैसे की गिरफ्तारी?

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजीलियाई अधिकारियों के अनुसार, 16 लोगों की हत्या करने का आरोपी एक व्यक्ति पकड़े जाने से बचने के लिए जंगल में रहता था। उसे कमजोर शरीर-यष्टि के कारण स्थानीय लोग 'मच्छर' (मॉस्किटो) कहते थे। यह जानकारी उसे गिरफ्तार करने वाले ब्राजीलियाई पुलिस जांचकर्ता ने दी।

जांचकर्ता डगलस गार्सिया, जिन्होंने 33 वर्षीय जोरलान लोपेस दा सिल्वा की दो दिन तक चली खोज का नेतृत्व किया (जो 13 सितंबर को खत्म हुई)। उन्होंने सोमवार को 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि संदिग्ध घनी झाड़ियों में अपने बनाए अस्थायी कैंपों में छिपकर रहता था। दा सिल्वा से जुड़ी हत्याएं पिछले तीन महीनों के दौरान ब्राजील के उत्तर-पूर्वी राज्य पाराईबा के दूर-दराज इलाके मुलुंगु में हुईं। गार्सिया ने कहा, 'इसी वजह से वह वर्षों तक पकड़े जाने से बचता रहा। जोरलान ज्यादातर जंगल में रहता था, इसलिए उसे ढूंढना और उन अपराधों से जोड़ना बहुत मुश्किल था जो शुरू में आपस में जुड़े हुए नहीं लग रहे थे।' गार्सिया ने बताया कि एक सार्वजनिक चौक पर 18 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या करने के बाद पुलिस को आखिरकार दा सिल्वा और अन्य अपराधों के बीच संबंध का पता चला। जांचकर्ता ने कहा कि सीरियल किलर का दावा है कि उसने केवल अपराधियों पर हमला किया है, लेकिन अब तक मिले सबूतों से पता चलता है कि ऐसा नहीं था। गार्सिया ने यह भी कहा कि दा सिल्वा ऐसे सबूत दे रहा है जिनसे पता चलता है कि उसने उन अपराधों से कहीं ज्यादा अपराध किए हैं जिनके लिए उस पर मुकदमा चल रहा है। हालांकि, उन्होंने आगे की जानकारी देने से इनकार कर दिया क्योंकि कुछ जांच अभी जारी हैं और कुछ मामलों को फिर से खोला जा रहा है। जांचकर्ता ने कहा कि पीड़ितों की पहचान और उनकी मौत से जुड़ी जानकारी गोपनीय रखी जा रही है ताकि अभियोजन पक्ष अपना काम कर सके। दा सिल्वा को सफेद धारियों वाली काली पोशाक, विग और नेल पॉलिश लगाए हुए पकड़ा गया।

अमेरिका: मीडिया संस्थानों से टकराव के बीच व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया 'ट्रंप टीवी', क्या है पूरा मामला?

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने सोमवार को 'ट्रंप टीवीः द एसेंशियल्स स्टेशन' लॉन्च किया। यह 24/7 चलने वाला डिजिटल वीडियो स्ट्रीम है जिसमें प्रशासन की घोषणाएं, राष्ट्रपति के बयान और अन्य कंटेंट दिखाए जाएंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन को सीएनएन, एमएस नॉउ और पॉलिटिको की ओर से कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें व्हाइट हाउस से बाहर रखा गया था।

व्हाइट हाउस ने क्या बताया : व्हाइट हाउस ने कहा कि नई सर्विस प्रशासन के सबसे अहम पलों को एक जगह लाएगी। कंटेंट को रियल-टाइम में अपडेट किया जाएगा। इस स्ट्रीम को सोमवार शाम 7 बजे व्हाइट हाउस के यूट्यूब चैनल पर लॉन्च किया गया।

क्या है पूरा मामला : यह कदम सीएनएन, एमएस नॉउ और पॉलिटिको की ओर से ट्रंप प्रशासन के खिलाफ एक फेडरल मुकदमा दायर करने के कुछ घंटों बाद उठाया गया, जिसमें उन्होंने व्हाइट हाउस में अपनी पहुंच बहाल करने की मांग की थी। इन संगठनों का तर्क है कि प्रशासन का उनके पत्रकारों के क्रेडेंशियल रद्द करने का फैसला उनके 'फर्स्ट अमेंडमेंट' (संविधान के पहले संशोधन) अधिकारों का उल्लंघन है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या किया था : ट्रंप ने इन तीनों मीडिया आउटलेट्स की कवरेज की आलोचना करने के बाद उन्हें व्हाइट हाउस आने से रोक दिया था। इन संगठनों के अनुसार, शनिवार को उनके पत्रकारों को व्हाइट हाउस परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया और उनके प्रेस क्रेडेंशियल जब्त कर लिए गए।

सीएनएन के समर्थन में उतरे ये संस्थान : बता दें कि सीएनएन को उसके निर्धारित टेलीविजन पूल कार्यों से भी हटा दिया गया था। सीएनएन को एक निर्धारित असाइनमेंट से हटाए जाने के बाद, एबीसी, सीबीएस, फॉक्स न्यूज और एनबीसी भी व्हाइट हाउस टेलीविजन पूल में अपनी भागीदारी रोकने के मामले में सीएनएन के साथ हो गए। आम तौर पर, टेलीविजन पूल ब्रॉडकास्टर्स और दूसरे समाचार संगठनों को राष्ट्रपति से जुड़े कार्यक्रमों की साझा वीडियो कवरेज उपलब्ध कराता है। पूल के बाधित होने के कारण, व्हाइट हाउस की अपनी वीडियो फीड राष्ट्रपति के कार्यक्रमों के फुटेज का एक प्रमुख स्रोत बन गई है। सोमवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन तीन संगठनों की कड़ी आलोचना की, जिन्होंने उनके प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। 'जैसा कि उम्मीद थी, फेक न्यूज सीएनएन, एमएस नॉउ और पॉलिटिको ने व्हाइट हाउस और आपके राष्ट्रपति, यानी मुझ तक पहुंचने के लिए मुकदमा किया है। उन्हें अपने पक्ष में एक बढ़िया जज मिला है। वही व्यक्ति जिसने जिम अकोस्टा के पक्ष में फैसला सुनाया था, जो अब लगता है कि धरती से ही गायब हो गए हैं।

जज का नाम टिम केली है। दुख की बात है कि उन्हें ट्रंप ने ही नियुक्त किया था। दूसरे शब्दों में, बिना किसी सवाल के और हमेशा की तरह, हम अपील करेंगे क्योंकि फेक न्यूज वाले लोग और पब्लिकेशन जो सिर्फ नकारात्मक बातें लिखते हैं जो अनजान सूत्रों के हवाले से झूठी और बदनाम करने वाली कहानियां लिखकर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन करते हैं। उन्हें दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऑफिस तक पहुचने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। बहरहाल, मेरा फर्ज है कि मैं अपने देश की सफलता और सुरक्षा के लिए लड़ूं। फेक न्यूज लोकतंत्र के लिए खतरा है। मैं यह पक्का करने के लिए हर जरूरी कदम उठाऊंगा कि अमेरिका तरक्की करे।'

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)